डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 02.09.2024 से 08.09.2024

▶ वर्ष-41 ▶ अंक-36 ▶ मूल्य ₹ 10.00

/ संक्षिप्त खबर /

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 5 सितम्बर को

भोपाल, लोक शिक्षण संचालनालय की ओर से शिक्षक सम्मान समारोह 5 सितम्बर को आयोजित किया जा रहा है। शिक्षक दिवस पर भोपाल स्थित आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी में इस समारोह का आयोजन होगा। इस समारोह में राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार में 14 शिक्षकों को और पिछले वर्ष राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2023 के पुरस्कृत 2 शिक्षकों को सम्मानित किया जायेगा। राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार के लिये शिक्षकों से आवेदन-नामांकन प्राप्त किये जाकर जिला चयन समिति एवं संभागीय चयन समिति की अनुशंसा प्राप्त की गई है। इस प्रक्रिया के बाद राज्य स्तरीय चयन समिति द्वारा कक्षा 1 से 8 की प्राथमिक माध्यमिक श्रेणी में 8 शिक्षकों और कक्षा 9 से 12 की उच्चतर माध्यमिक श्रेणी में 6 शिक्षकों सहित कुल 14 शिक्षकों का राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार के लिये चयन किया गया है।

मध्यप्रदेश के 3 शिक्षकों को मिला राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

भोपाल, प्रदेश के 3 शिक्षकों को वर्ष 2024 का राष्ट्रीय शिक्षक अवार्ड मिला है। यह घोषणा केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा की गई है। मध्यप्रदेश के श्री माधव प्रसाद पटेल, शिक्षक शासकीय मिडिल स्कूल लिधौरा जिला दमोह और सुश्री सुनीता गोधा, शासकीय हाई स्कूल खजुरिया सारंग जिला मंदसौर और डिण्डोरी जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय धामनगांव की शिक्षिका श्रीमती सुनीता गुप्ता को राष्ट्रीय पुरस्कार के लिये चुना गया है। शिक्षक दिवस पर नई दिल्ली में 5 सितम्बर को सम्मान समारोह होगा। चयनित शिक्षकों को रजत पदक, प्रशस्ति-पत्र और 50 हजार रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जायेगी।

प्रदेश में शाला जाने योग्य सभी बच्चों का नामांकन सुनिश्चित हो

भोपाल, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. संजय गोयल ने जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश दिये कि उनके जिले में शाला जाने योग्य बच्चों का स्कूल नामांकन शत-प्रतिशत हो। उन्होंने अपने जिलों में मैदानी अमले के साथ सघन कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने भोपाल और सागर संभाग के जिला परियोजना समन्वयक की बैठक में अपूर्ण निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिये। स्कूल शिक्षा विभाग के निर्माण कार्यों में जो एजेंसी तय समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य नहीं करती है, उनके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जाये।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मुख्यमंत्री से देश की प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधियों ने की चर्चा, 5 औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटन पत्र किये प्रदान

ग्वालियर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव

8 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त
मध्यप्रदेश में सृजित होंगे 35 हजार रोज़गार

कॉन्क्लेव के मुख्य आकर्षण

- 15 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों कनाडा, नीदरलैंड, टोगो, जाम्बिया और मैक्सिको का प्रतिनिधिमंडल शामिल।
- 15 से अधिक राज्यों के निवेशकों ने की सहभागिता।
- 400 से अधिक बायर-सेलर मीट हुई।
- 5 से अधिक औद्योगिक संगठन के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।
- 20 से अधिक प्रमुख उद्योगपतियों और संगठनों के साथ मुख्यमंत्री की वन-टू-वन चर्चा।
- ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 8 जिलों में इन्वेस्टमेंट फेसिलिटेशन सेंटर का शुभारंभ, 4 नये औद्योगिक पार्क की घोषणा।
- अडानी समूह 3500 करोड़ रुपये की लागत से गुना में 2 मिलियन टन सीमेंट प्रोजेक्ट और शिवपुरी में प्रोपेलेंट प्रोजेक्ट लगायेगा।
- पर्यटन, आईटी, फूटवेयर, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के उद्योगपतियों ने दिखाई निवेश में रुचि।
- रिन्युएबल एनर्जी, गैस एवं बायो गैस प्रोजेक्ट के लिये रिलायंस समूह ने निवेश प्रस्ताव दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में 47 औद्योगिक इकाइयों का वर्चुअल भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया

ग्वालियर, प्रदेश में उद्योगों के विकास के लिए अनुकूल नीतियों और सकारात्मक सोच के साथ औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं। रीजनल कॉन्क्लेव मात्र कहने के लिये रीजनल हैं, हकीकत में यह राज्य स्तरीय है। इन औद्योगिक इकाइयों के प्रारंभ होने से स्पंदन पूरे प्रदेश में होना है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए कही। कॉन्क्लेव में 8 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, इससे 35 हजार से अधिक रोज़गार के नवीन अवसर प्राप्त होंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 1586 करोड़ रुपये की लागत से प्रदेश में 47 नई औद्योगिक इकाइयों का सिंगल क्लिक से भूमिपूजन और लोकार्पण किया तथा 5 औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटन पत्र भी प्रदान किए। साथ ही ग्वालियर-चंबल जिले के 8 जिला स्तरीय इंडस्ट्री फेसिलिटेशन सेंटर का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगपति प्रदेश की विशेषताओं को स्वयं देखें और मध्यप्रदेश में उद्योग स्थापना का निर्णय लें।

प्रदेश की क्षमताओं के अनुकूल कार्य

केन्द्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि मुख्यमंत्री ने ग्वालियर में उद्योग की अलख जगाने का कार्य किया है। इस अंचल के प्रत्येक नागरिक के दिल में उन्होंने स्थान बना लिया है। ग्वालियर में अधोसंरचना और निवेश की शुरुआत वर्षों पहले की गई थी। वर्तमान मुख्यमंत्री ने प्रदेश की क्षमताओं को राष्ट्रीय पटल पर लाने का कार्य किया है। 6 माह की अवधि में एक लाख 84 हजार करोड़ रुपये का निवेश आना सामान्य नहीं है। विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विगत 10 वर्ष में भारत की साख में वृद्धि हुई है। भारत विश्व की 5वीं अर्थव्यवस्था है, अब तीसरी अर्थव्यवस्था बने इस संकल्प से कार्य हो रहा है।

आकांक्षा योजना से प्रदेश के जनजातीय विद्यार्थियों को कराई जायेगी जेईई, नीट और क्लैट परीक्षा की तैयारी

भोपाल, जनजातीय कार्य विभाग मध्यप्रदेश के जनजातीय विद्यार्थियों की उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से फ्री कोचिंग प्रदान करेगा। विभाग ने जनजातीय विद्यार्थियों को मेडिकल, इंजीनियरिंग एवं लॉ की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता परीक्षाओं जेईई, नीट और क्लैट की तैयारी करवाने के लिये 'आकांक्षा योजना' बनाई है। जनजातीय विद्यार्थी इन प्रतियोगी परिक्षाओं में अपने शासकीय शिक्षकों की मदद लेकर स्वयं तैयारी कर विशेष स्थान प्राप्त कर रहे हैं। आकांक्षा योजना में 10वीं में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति वर्ग के इच्छुक विद्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। आवेदक विद्यार्थियों का कोचिंग संस्था द्वारा ली गई प्रवेश परीक्षा में मिले प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट पर वांछित कोचिंग के लिए चयन किया जायेगा।

जनजातीय विद्यार्थी पाएंगे नि:शुल्क कोचिंग

आकांक्षा योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2024-25 में राज्य स्तर पर प्रवेश परीक्षा से 400 विद्यार्थियों का चयन जेईई के लिए किया जाएगा। जेईई की कोचिंग भोपाल, नीट की कोचिंग इंदौर में एवं क्लैट की कोचिंग के लिए जबलपुर को चुना गया है, इनमें 200-200 विद्यार्थियों को चुना जाएगा। योजना में कोचिंग के लिए चयनित विद्यार्थियों को रहने, खाने और पढ़ने की सुविधा दी जाएगी। उन्हें इसकी तैयारी से संबंधित पुस्तकें और स्टेशनरी सहित आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन भी दिया जाएगा।

सर्वाधिक युवाओं को रोज़गार उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है राज्य सरकार

ग्वालियर, निवेशकों को राज्य सरकार सभी सुविधाएं और आधारभूत अधोसंरचना उपलब्ध करायेगी। किसी प्रकार की बाधा नहीं आने दी जायेगी। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में उद्योगपतियों से चर्चा करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सर्वाधिक रोज़गार उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित हैं। निवेश के माध्यम से हर युवा को रोज़गार मिले इस उद्देश्य से संभाग स्तर पर जाकर कॉन्क्लेव आयोजित किये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में यदि विदेशी निवेश आ रहा है तो सौभाग्य की बात है। सभी प्रकार से सरकार का सहयोग मिलेगा। मुख्यमंत्री ने को-ऑपरेटिव सेक्टर को बढ़ावा देने की बात करते हुए कहा कि प्रदेश के साथ संभागों में को-ऑपरेटिव सेक्टर को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं।

राज्य सरकार निवेश और औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए है प्रतिबद्ध

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी पहचान बनाई है और मध्यप्रदेश भी विकास के पथ पर कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। कृषि, औद्योगीकरण और रोज़गार के क्षेत्र में निरंतर प्रगति हो रही है, यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अचारपुरा स्थित टीडब्ल्यूई-ओबीटी उद्योग समूह द्वारा स्थापित की जा रही हाइजीन नॉन वूवन यूनिट के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बड़े स्तर पर औद्योगिकरण की आवश्यकता है और इस दिशा में सार्थक प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल के अचारपुरा क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। अत: क्षेत्र में कर्मचारियों की सुरक्षा तथा पुलिस प्रबंधन की आवश्यकता को देखते हुए अचारपुरा क्षेत्र में पुलिस चौकी आरंभ की जाएगी।

19 सितम्बर को होगी इंडस्ट्रियल समिट

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी क्षेत्रों में औद्योगीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर इंडस्ट्री समिट का क्रम आरंभ किया गया। इसमें उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर में समिट आयोजित की जा चुकी हैं और रीवा, सागर आदि में इंडस्ट्रियल समिट का आयोजन शीघ्र ही होने जा रहा है। इससे प्रदेश के सभी भागों में निवेश आमंत्रित करने और औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने में मदद मिल रही है। औद्योगिक गतिविधियों से अब तक रोज़गार के लगभग 75 हजार अवसर सृजित हुए हैं। देश के उन्नतिशील और औद्योगिक गतिविधियों की दृष्टि से सम्पन्न क्षेत्रों जैसे मुम्बई, कोयम्बटूर और बैंगलुरु आदि में भी इंडस्ट्रियल समिट आयोजित की गई हैं। इस क्रम में कोलकाता में भी 19 सितम्बर को इंडस्ट्रियल समिट का आयोजन होगा। इंडस्ट्रियल समिट के माध्यम से देश के बड़े निवेशकों और औद्योगिक गतिविधियों को विस्तार देने के इच्छुक उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में आमंत्रित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश और उद्योग के लिए सभी प्रकार की अनुकूलता मध्यप्रदेश में उपलब्ध है।

24 अगस्त

भारत और अमेरिका के बीच हुए दो अहम करार

● देश के रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह की चार दिवसीय अमेरिका यात्रा के दौरान भारत

और अमेरिका ने दो प्रमुख रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों देशों के बीच पहला समझौता हुआ सिक्योरिटी ऑफ सप्लाई मैनेजमेंट (एसओएसए)। यह एक द्विपक्षीय और गैर-बाध्यकारी समझौता है, जिसके तहत दोनों देश एक-दूसरे को राष्ट्रीय रक्षा के लिए आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं को प्राथमिकता देंगे। दूसरा समझौता लाइजनिंग अफसरों की नियुक्ति का है। इसके तहत दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी।

● बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना का डिप्लोमैटिक पासपोर्ट रद्द कर दिया। श्रीमती हसीना के मंत्रिमंडल में शामिल रहे अन्य लोगों के पासपोर्ट भी सरकार ने रद्द कर दिए। पूर्व सरकार में प्रमुख पदों पर रहे अधिकारियों के डिप्लोमैटिक पासपोर्ट भी रद्द कर दिए गए। बांग्लादेश में शेख हसीना के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हो चुके हैं जिनमें से कुछ मामले हत्या के हैं।

● ब्रिटेन समेत 7 देशों में फेफड़े के कैंसर की पहली वैक्सीन का मरीजों पर परीक्षण शुरू हो गया है। यह वैक्सीन बीएनटी 116 के रूप में जानी जाती है। यह वैक्सीन बायोएनटेक द्वारा बनाई गई है। यह वैक्सीन नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर के इलाज के लिए है। यह वैक्सीन कोविड-19 वैक्सीन के समान मैसेंजर आरएनए (एमआरएनए) का उपयोग करती है। इसका उद्देश्य कीमोथेरेपी के विपरीत, स्वस्थ कोशिकाओं को अछूता छोड़ते हुए कैंसर के प्रति व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को मजबूत करना है।

25 अगस्त

भारत का पहला दोबारा इस्तेमाल होने वाला हाइब्रिड रॉकेट लॉन्च

● देश में पहली बार रीयूजेबल (दोबारा इस्तेमाल होने वाला) हाइब्रिड रॉकेट रूमी-

1 का लॉन्च सफल रहा। चेन्नई तट से सुबह 7:25 बजे लॉन्च हुए रॉकेट रूमी-1 ने 35 किलोमीटर की ऊंचाई तक उड़ान भरी। रॉकेट से 3 क्यूब सैटेलाइट व 50 पीको सैटेलाइट भी लॉन्च किये गये। ये सभी गैर पारंपरिक सैटेलाइट ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन परत और जलवायु परिवर्तन से संबंधित अन्य पहलुओं का अध्ययन कर जानकारी भेजेंगे। रॉकेट में जेनेरिक फ्यूल आधारित हाइब्रिड मोटर और बिजली से चलने वाले पैराशूट डेप्लॉयर लगे हैं। रॉकेट को उड़ान के बाद फिर से जमीन पर लैंड कराया जा सकेगा और रूमी-1 रॉकेट के 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सों का दोबारा इस्तेमाल हो सकेगा।

● केदारनाथ की घाटी में आई आपदा के बाद केदारनाथ यात्रा की गति बेहद धीमी हो गई है। वर्षाकाल के बाद सितंबर के पहले सप्ताह से यात्रा का दूसरा चरण शुरू हो जाता है और तीर्थ यात्रियों की संख्या भी बढ़ने लगती है। मगर 31 जुलाई की आपदा में पैदल मार्ग को हुई भारी क्षति के बाद यात्रा की गति कम हुई है। हालांकि, प्रशासन पैदल मार्ग को जल्द से जल्द पूर्व की स्थिति में लाने की बात कह रहा है, ताकि उस पर तीर्थ यात्रियों के साथ घोड़ा-खच्चर और डंडी-कंडी की राह भी आसान हो सके।

● बांग्लादेश में हालात सामान्य नहीं हुए हैं। ढाका में नौकरियों की मांग को लेकर अंसार ग्रुप और छात्रों के बीच झड़प हो गई। ढाका में अंसार दल के सदस्य अपनी नौकरियों को स्थायी करने को लेकर जमा हो गए। छात्रों का कहना था कि स्थायी नौकरियों पर उनका पहला हक है। अंसार के लोगों का कहना था कि सत्ता परिवर्तन के बाद उनकी मांगों पर पहले फैसला होना चाहिए। हालात बिगड़ते देख सेना को मौके पर तैनात किया गया है। उल्लेखनीय है कि अंसार दल के सदस्य गृहरक्षक (होमगार्ड) होते हैं।

26 अगस्त

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए यूपीएस पेंशन मंजूर

● केंद्र के 23 लाख कर्मचारियों के लिए सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस)

लागू करने का फैसला किया है, जो मौजूदा एनपीएस के साथ ही लागू रहेगी। यूपीएस के तहत कर्मचारियों को 25 साल काम करने पर पूरी पेंशन मिलेगी। इसका फार्मूला यह है कि कर्मचारी ने 25 वर्षों की सेवा दी है तो उसके अंतिम कार्य वर्ष के 12 महीनों के औसत मूल वेतन की 50 प्रतिशत राशि बतौर पेंशन दी जाएगी। अगर सेवा काल 10 से 25 वर्षों का है तो पेंशन की राशि समानुपातिक आवंटन के आधार पर तय होगी। यूपीएस में सुनिश्चित पेंशन, परिवार को पेंशन, सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन, पेंशन की राशि को महंगाई दर के साथ जोड़ने और सेवानिवृत्ति के समय ग्रेच्युटी के अलावा भी एक सुनिश्चित राशि के भुगतान की व्यवस्था की गई है। एक तरह से यह पुरानी पेंशन स्कीम की तरह ही होगी, हालांकि ओपीएस में जहां कर्मचारियों को योगदान नहीं देना होता था, यूपीएस में नई पेंशन स्कीम (एनपीएस) की तर्ज पर ही 10 प्रतिशत योगदान देना होगा।

● राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने छठी कक्षा के लिए कौशल बोध नाम से नई पाठ्यपुस्तक जारी कर दी है। इसके जरिये बच्चों को छठी कक्षा के स्तर पर ही आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस (एआई), मशीनें, खिलौने आदि के बारे में पढ़ाया जाएगा। एनसीईआरटी ने स्कूलों को एडवाइजरी जारी कर एनईपी के तहत पहली, दूसरी, तीसरी और छठी कक्षा के लिए तैयार नई पाठ्य पुस्तकों को अपनाने का सुझाव दिया है और कौशल विकास की पाठ्यपुस्तक को अनिवार्य रूप से पढ़ाने की भी सलाह दी है। कौशल विकास विषय के मूल्यांकन के दौरान भी लिखित परीक्षा की जगह प्रायोगिक कार्यों से जुड़े कामों को महत्व देने का सुझाव दिया है।

27 अगस्त

लद्दाख में पांच नए जिले बनेंगे

● केंद्र सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में पांच नए जिले बनाने की घोषणा की

है। साथ ही सरकार ने लद्दाख के प्रशासन को निर्देशित किया है कि वह एक कमेटी गठित करे जो नए जिलों से संबंधित विभिन्न पहलुओं की सतर्कतापूर्वक समीक्षा करे और उसका समाधान भी करे। नवगठित कमेटी नए जिलों की सीमाओं, मुख्यालयों, पदों और अन्य पहलुओं पर विचार करेगी। जांस्कार, द्रास, शाम, नुब्रा और चांगथांग नाम के इन पांच जिलों के साथ अब लद्दाख में कुल सात जिले हो जाएंगे।

● इस साल देश में 42 स्थानों पर पुरातन इतिहास ढूंढा जाएगा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने इसके लिए अनुमति दे दी है। एएसआई हरियाणा के राखी गढ़ी, दिल्ली के पुराना किला, उत्तर प्रदेश के बागपत में तिलवारा और बिहार के तेजपुर देउर आदि जगह खुदाई की जाएगी। इनमें से 17 स्थानों पर एएसआई खुदाई स्वयं कराएगा। इसके अलावा 12 स्थानों पर खुदाई के लिए विश्वविद्यालयों और 13 स्थानों पर खुदाई के लिए राज्यों को अनुमति दी गई है।

● भारतीय नौसेना का प्रमुख युद्धपोत आईएनएस मुंबई श्रीलंका पहुंच गया है। यह कोलंबो में तीन दिन रुकेगा। हालांकि, चीन के तीन युद्धपोत हे फेई, चूझीशान और किलियानशान भी कोलंबो में पहले से ही मौजूद हैं। ये सभी युद्धपोत एक ही बंदरगाह पर रुके हुए हैं। तीन दिन के दौरे के दौरान श्रीलंका के नौसैनिकों को आईएनएस मुंबई के काम करने के तरीके पर ब्रीफिंग दी जाएगी। इसके अलावा भारतीय युद्धपोत श्रीलंका की नौसेना के साथ कई साझा गतिविधियों में भी भाग लेगा।

28 अगस्त

कक्षा 6वीं की गणित की नई किताब में छात्र गणितज्ञों का योगदान पढ़ेंगे

● एनसीईआरटी की कक्षा-6 की नई गणित की किताब में छात्र भारतीय गणितज्ञों का योगदान पढ़ेंगे। इसमें बताया गया है कि भारतीय गणितज्ञों ने ही भिन्न (फ्रैक्शंस), शून्य, पॉजिटिव-निगेटिव नंबर और डेबिट / क्रेडिट अकाउंटिंग सिस्टम विकसित किए। किताब में अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली हटा दी गई

है। यानी छात्र मिलियन और बिलियन की जगह लाख और करोड़ में संख्या लिखना सीखेंगे।

● भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने गवर्नर श्री शक्तिकांत दास ने कहा कि यूपीआई और रुपे को वैश्विक बनाने के प्रयास जारी हैं। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट, 2024 को संबोधित करते हुए दास ने कहा कि आरबीआई का ध्यान वित्तीय समावेशन, डिजिटल सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआर) को और बढ़ाने, उपभोक्ता संरक्षण एवं साइबर सुरक्षा सतत वित्त और वित्तीय सेवाओं के वैश्विक एकीकरण पर है। उन्होंने कहा कि भारत आगे चलकर कई देशों के साथ आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्लेटफार्मों और द्विपक्षीय समझौतों को अमलीजामा पहना रहा है। इसके अलावा सीमापार भुगतान प्रणालियों सहित वित्तीय इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर आरबीआई का प्रमुख रूप से ध्यान रहेगा।

● केंद्र सरकार व्हाइट टॉपिंग टेक्नोलॉजी के जरिए राष्ट्रीय राजमार्गों को गड्ढा मुक्त बनाने की योजना बना रही है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय जल्द ही मौजूदा नेशनल हाइवे के गड्ढों की मरम्मत के लिए इस तकनीक का उपयोग करने हेतु एक नई नीति लाएगा। व्हाइट टॉपिंग तकनीक से बनाई गई सड़क पारंपरिक कंक्रीट रोड की तुलना ज्यादा समय चलती हैं और ज्यादा सुरक्षित भी होती हैं।

29 अगस्त

कक्षा 9-11 के अंक कक्षा 12 के परिणामों में हो सकते हैं शामिल

● राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने एक नया मूल्यांकन मॉडल सुझाया है। इसमें प्रस्ताव है कि कक्षा 9, 10 और 11 में छात्रों के प्रदर्शन को उनके कक्षा 12 के बोर्ड परिणामों में योगदान देना चाहिए। रिपोर्ट में उल्लेख है, "कक्षा 9 से कक्षा 12 तक रचनात्मक और योगात्मक अंकों का भार क्रमिक रूप से समायोजित किया जाएगा। कक्षा 9 में 7 प्रतिशत रचनात्मक और 30 प्रतिशत योगात्मक विभाजन, कक्षा 10 में समान 50 प्रतिशत रचनात्मक और योगात्मक विभाजन, कक्षा 11 में 40 प्रतिशत रचनात्मक और 60 प्रतिशत योगात्मक वितरण, और कक्षा 12 में 30 प्रतिशत रचनात्मक और 70 प्रतिशत योगात्मक अनुपात है। रिपोर्ट में 'शिक्षा बोर्डों में समानता स्थापित करने' पर भी सुझाव दिए गए हैं।

● ऑस्ट्रेलिया विदेशी छात्रों की संख्या को सीमित करने की योजना बना रहा है। ऑस्ट्रेलिया शिक्षा मंत्री श्री जेसन क्लेयर ने बताया कि वर्ष 2025 में 2.7 लाख से ज्यादा छात्रों को वीसा नहीं दिया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया में अभी 1.70 लाख भारतीय छात्र पढ़ रहे हैं। वीसा कटौती का भारतीय छात्रों पर बड़ा असर पड़ेगा। सरकार की इस योजना का ऑस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालयों ने विरोध किया है। विश्वविद्यालयों के संगठन 'यूनिवर्सिटीज ऑस्ट्रेलिया' ने कहा कि सरकार के इस कदम से इस क्षेत्र को काफी नुकसान पहुंचेगा।

30 अगस्त

यूपीएससी के उम्मीदवारों का अब आधार से होगा सत्यापन

● केंद्र सरकार ने संघ लोक सेवा आयोग

(यूपीएससी) को पंजीकरण के समय, परीक्षाओं और भर्ती के विभिन्न चरणों के दौरान स्वैच्छिक आधार पर उम्मीदवारों की पहचान सत्यापित करने के लिए आधार से प्रमाणीकरण की अनुमति दी है। सरकार का यह कदम महत्वपूर्ण है क्योंकि आयोग ने पिछले महीने प्रशिक्षु आइएएस अधिकारी पूजा खेडकर की उम्मीदवारी रद्द कर दी थी और सिविल सेवा परीक्षा में धोखाधड़ी करने के लिए उन्हें भविष्य की सभी परीक्षाओं से प्रतिबंधित कर दिया था।

● गाजा में युद्धविराम की कोशिशों के बीच इजरायली हमले में वेस्ट बैंक में 10 फलस्तीनियों की मौत हो गई। फलस्तीनी प्राधिकरण ने कहा कि इजरायली सेना ने जेनिन और तुलकेरेम पर हेलीकाप्टर और ड्रोन से हमले किए। इसे हाल के महीनों में वेस्ट बैंक पर हुए बड़े हमलों में बताया गया है। इसके साथ सीरिया-लेबनान सीमा पर भी इजरायल के हमले में चार लड़ाकों की मौत हुई है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में विकसित होगी उनको समर्पित गैलरी

भोपाल, जनसंघ के संस्थापक सदस्य और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे जी को समर्पित स्मृति स्थल का निर्माण धार में किया जाएगा। साथ ही उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं और विचारों को समाज के सम्मुख लाने के लिए भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में गैलरी विकसित की जाएगी। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे की जन्म-जयंती पर कुशाभाऊ ठाकरे सभागार स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कार्यक्रम के दौरान कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र और समाज के लिए समर्पित किया। उनके निर्लिप्तता से प्रजातंत्र की स्थापना और सुशासन के लिए किए गए कार्य प्रदेश ही नहीं, देश की धरोहर हैं। उनकी सादगी और न्यूनतम संसाधनों में समाज को अधिकतम योगदान देने की कार्यशैली और संगठन को विस्तार देने की क्षमता सदैव प्रेरणा बनकर सभी का पथ आलोकित करती रहेगी।

वर्ष 41, अंक 36 02.09.2024 से 08.09.2024
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

मन की बात कार्यक्रम प्रेरणा और प्रोत्साहन का बना केंद्र

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आमजन से संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से 3 अक्टूबर, 2014 को रेडियो कार्यक्रम मन की बात की शुरुआत की थी। प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को होने वाले इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री जी देशवासियों से उन विषयों पर चर्चा करते हैं जिनका सरोकार सीधे आमजन से होता है। इसमें देश और देशवासियों की विशिष्ट उपलब्धियों से लेकर तीज, त्योहार सहित विशिष्ट अवसरों का उल्लेख करते हुए वे अपने मन के विचारों को जनता तक पहुंचाते हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश और प्रदेश बदल रहा है। वे एक गौरवशाली, वैभवशाली, शक्तिशाली, संपन्न और समृद्ध भारत के निर्माण की दिशा में अग्रसर हैं। इस कार्यक्रम ने भारत की समृद्ध संस्कृति तथा परंपरा में सामान्य जन की रुचि को पुनर्जीवित किया और आधारभूत स्तर पर लोगों को विशेष पहचान दी है। यह एक असाधारण पहल है जो हमें अपनी जड़ों की ओर वापस ले जाने के लिए प्रेरित करती है। 25 अगस्त को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 113वें एपीसोड का प्रसारण हुआ। खास बात यह है कि लगभग डेढ़ घंटे की इस चर्चा में प्रधानमंत्री जी ने मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले के सफाईकर्मियों द्वारा की गई सामाजिक पहल की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री जी ने न सिर्फ सफाईकर्मियों के इस कार्य की प्रशंसा की, बल्कि अन्य लोगों को भी इस तरह के नवाचार के लिये प्रोत्साहित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झाबुआ जिले के सफाई कर्मी भाई-बहनों ने 'वेस्ट टू वेल्थ' के संदेश को सच्चाई में बदलकर दिखाया है। सफाई कामगारों ने सही तरीके से 3-R के मंत्र 'रिड्यूस-रियूज-रिसाइकिल' को अपनाया है। सफाई कामगारों की टीम ने झाबुआ के पार्क में कचरे से जो आर्ट वर्क तैयार किया है, वह अद्भुत है। पर्यावरण संरक्षण के लिये यह एक सराहनीय एवं प्रेरक पहल है। झाबुआ में कुछ ऐसा शानदार हो रहा है, जिसे आपको जरूर जानना चाहिए। झाबुआ में हमारे सफाई कर्मी भाई-बहनों ने कमाल कर दिया है। उनकी टीम ने शहर में उपयोग उपरांत फेंके गये वेस्ट मटेरियल से विभिन्न कलाकृतियां बनाई हैं। प्लास्टिक बॉटलों, पुराने टायरों, पुराने पाइप आदि वेस्ट मटेरियल का उपयोग करके हेलीकॉप्टर, तोपें, कार, जेएमसी (झाबुआ नगर पालिका) लोगो, पान के पत्ते, यातायात सिग्नल पाइंट, दीवार, पौधों हेतु क्यारियां, गमले, आरामदायक बैंच और सोफे इत्यादि की अद्भुत कलाकृतियां बनाई गई हैं। नगर पालिका झाबुआ के डॉ. भीमराव अम्बेडकर पार्क में उक्त कलाकृतियां तथा सम्पूर्ण कार्य बिना किसी बाहरी व्यक्ति के सहयोग के नगर पालिका झाबुआ में कार्यरत सफाई कामगारों द्वारा ही अपनी मेहनत से तैयार की गई हैं। इन्हें मुख्य नगर पालिका अधिकारी के निर्देशन में प्रभारी स्वच्छता निरीक्षक श्री कमलेश जायसवाल और श्री टोनी मलिया के द्वारा अपने निर्देशन में व्यक्तिगत रुचि के साथ डिजाइन करवाया गया है। प्रधानमंत्री द्वारा लगातार प्रदेश में हो रहे कार्यों की चर्चा अपने इस लोकप्रिय कार्यक्रम के माध्यम से करने से प्रदेशवासियों का उत्साहवर्धन होता है और वे कुछ नया करने के लिये प्रोत्साहित होते हैं। प्रदेश में आज भी ऐसे कई परिणाम देखने को मिलते हैं, जिसमें लोगों ने उत्कृष्ट कार्य किया जिसे राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदेश के इस विशेष उल्लेख पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिले के सफाई कामगारों, नागरिकों और स्वच्छ भारत मिशन अभियान-2024 के तहत झाबुआ कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कविता सिंगार सहित प्रशासनिक अमले को बधाई दी। मुख्यमंत्री का कहना है कि 'वेस्ट टू वेल्थ' के संदेश के साथ सृजन का यह सफल प्रयोग अन्य जिले में भी अपनाया जायेगा।

ब्रिटेन के आसमान में सल्फर डाइऑक्साइड का संकट, वैज्ञानिकों ने जारी किया अलर्ट

ब्रिटेन के आसमान में जहरीली और अम्लीय गैस का संकट आ गया है। देश के मौसम मानचित्रों में आसमान में सल्फर डाइऑक्साइड का एक बड़ा बादल देखा गया जो आइसलैंड में हुए ज्वालामुखी विस्फोटों से निकला था। सल्फर डाइऑक्साइड का उत्पादन कच्चे तेल या कोयले के दहन से होता है, लेकिन ज्वालामुखी भी जब फटते हैं, तो बड़ी मात्रा में इसे छोड़ते हैं। इस संकट के बाद वैज्ञानिकों ने नागरिकों को स्वास्थ्य से जुड़ी चेतावनी जारी करते हुए घरों में रहने की सलाह दी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार इस गैस के कारण लोगों को गले में खराश, खांसी, आंखों में जलन, फेफड़ों में जकड़न और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण होने की संभावना है। इसके अलावा कुछ लोगों को इस गैस के सीधे संपर्क में आने से अस्थमा और पुरानी ब्रोंकाइटिस जैसी समस्याओं की आशंका बताई गई है। जानकारी के अनुसार यह गैस 1952 में लंदन के प्रसिद्ध स्मॉग का कारण बनी थी जिसमें हजारों लोगों को सांस से संबंधित बीमारियां हुई थीं। वैज्ञानिकों की मानें तो सल्फर डाइऑक्साइड जब पृथ्वी के वातावरण में मौजूद जल वाष्प के साथ मिलती है तो एसिड बारिश का निर्माण होता है। बच्चे और बुजुर्गों को सल्फर डाइऑक्साइड के संपर्क में आने से बचना चाहिए। यह खतरनाक स्मॉग आइसलैंड में रेक्जानेस प्रायद्वीप के पास ग्रिंडाविक में हुए ज्वालामुखी विस्फोट के बाद लंदन पहुंचा। रिपोर्ट के अनुसार रेक्जानेस और ओल्फस में बचाव दल को सक्रिय किया गया और ग्रिंडाविक और ब्लू लैगून के सैकड़ों रहवासियों को सुरक्षित निकाला गया। स्थानीय अधिकारियों ने रहवासियों को सुरक्षित रहने और क्षेत्र से दूरी बनाए रखने की अपील की है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

क्षेत्रीय इन्वेस्टर्स मीट

मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास की नई उड़ान, युवाओं को रोज़गार के नये अवसर

भारत को विश्व की सर्वश्रेष्ठ अर्थशक्ति बनाने के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने क्षेत्रीय इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से मध्यप्रदेश के औद्योगिकीकरण का विशिष्ट अभियान चलाया है। सकारात्मक सोच से आरंभ क्षेत्रीय औद्योगिकीकरण के लिये निवेश अभियान से स्थानीय उत्पाद को देश और दुनिया में नई पहचान मिलेगी और युवाओं को रोजगार के अवसर सृजित होंगे। डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से मध्यप्रदेश में लगभग एक लाख 84 हजार करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आना सुनिश्चित हुआ है। यह अपने आप में एक कीर्तिमान है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाना चाहते हैं। उन्होंने स्वतन्त्रता की सौंवी वर्षगांठ 2047 तक भारत को विश्व की सर्वोच्च अर्थशक्ति बनाने का संकल्प किया है। इस संकल्प की पूर्ति के लिये देश के सभी प्रांतों की सक्रिय और सकारात्मक भूमिका आवश्यक है। जब सभी प्रांतों का औद्योगिक विकास होगा और आर्थिक आत्मनिर्भरता आयेगी तब ही भारत उन्नति के शिखर पर पहुंचेगा। भारत को उन्नत राष्ट्र बनाने के इस संकल्प को पूरा करने के लिये मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपना योगदान सुनिश्चित किया है। वह मध्यप्रदेश को समृद्धि और आर्थिक सशक्तिकरण की एक नई ऊंचाई देना चाहते हैं जिससे भारत को विश्व शक्ति बनाने में मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान हो सके। उन्होंने इसके लिये बहुउद्देशीय कार्य आरंभ किये हैं। वे औद्योगिक क्षेत्र की पुरानी समस्याओं के निराकरण और नये निवेश को आमंत्रित कर रहे हैं। अपने इसी अभियान के अंतर्गत उन्होंने इंदौर की हुकुमचंद मिल के पुराने औद्योगिक विवाद का निराकरण किया और इसी आधार पर अन्य विवादों को निपटाने की भी घोषणा की है। इसके साथ स्थानीय आधार पर नये उद्योगों की स्थापना तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं का सरलीकरण भी शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देश-विदेश के विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों से व्यक्तिगत संपर्क कर मध्यप्रदेश में आमंत्रित किया और मध्यप्रदेश के विभिन्न नगरों में औद्योगिक निवेश के लिये क्षेत्रीय इन्वेस्टर्स समिट आयोजित करने का अभियान चलाया है। डॉ. मोहन यादव ने अपने मात्र आठ माह के कार्यकाल में उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर में क्षेत्रीय इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया और मुम्बई, कोयम्बटूर आदि नगरों में जाकर औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें कीं। मध्यप्रदेश में निवेश के लिये इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन तो पहले भी हुये हैं, लेकिन क्षेत्रीय आधार पर ऐसे कॉन्क्लेव आयोजित करने की परंपरा पहली बार आरंभ हुई है। इसके साथ अनेक प्रशासनिक प्रक्रियाओं का सरलीकरण भी किया गया है। डॉ. मोहन यादव ने इन कॉन्क्लेव में ही कुछ इकाइयों के लिये भूमि का आवंटन भी किया और कुछ इकाइयों के निर्माण कार्य का वर्चुअल शुभारंभ भी किया।

मध्यप्रदेश में इन क्षेत्रीय इन्वेस्टर्स समिट में स्थानीय उत्पाद के आधार पर क्षेत्रीय औद्योगिक क्षेत्र विकसित करना तो प्राथमिकता है ही इसके साथ पूरे प्रदेश के औद्योगिक विकास की परिकल्पना भी है। ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में संपन्न कॉन्क्लेव में स्थानीय उत्पाद के अतिरिक्त पूरे प्रदेश के विभिन्न स्थानों में औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने के करार हुए और कुछ इकाइयों के कार्यों का वर्चुअल शुभारंभ भी। इन क्षेत्रीय इन्वेस्टर्स समिट से मध्यप्रदेश के विविध स्थानीय उत्पाद और उनके आधार पर निर्मित विशिष्ट सामग्री देश और दुनिया के सामने आ सकेगी।

ग्वालियर समिट में आये आठ हजार करोड़ से अधिक के प्रस्ताव

मध्यप्रदेश सरकार की क्षेत्रीय इन्वेस्टर्स समिट योजना के अंतर्गत निवेशकों का कॉन्क्लेव ग्वालियर में संपन्न हुआ। इसमें 8 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे युवाओं को 35 हजार से अधिक रोजगार के नये अवसर सृजित होंगे। इस समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 1586 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाली 47 नई औद्योगिक इकाइयों का वर्चुअल भूमिपूजन और लोकार्पण किया। और मंच पर ही पांच नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिये भूमि का आवंटन किया गया। "विरासत, इतिहास और उद्योग" थीम पर आधारित इस कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के 8 जिला स्तरीय इंडस्ट्री फेसिलिटेशन सेंटर का भी शुभारंभ किया। ग्वालियर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, शिवपुरी, दतिया, गुना और अशोकनगर में ये केन्द्र आरंभ भी हो गए। ग्वालियर कॉन्क्लेव में मेक्सिको, जाम्बिया के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर-चम्बल क्षेत्र में 4 नये औद्योगिक पार्क खोले जाने की घोषणा की। इसमें गुना जिले के चैनपुरा में 333 हेक्टेयर, ग्वालियर जिले के मोहना में 210 हेक्टेयर, मुरैना के मवई में 210 हेक्टेयर और शिवपुरी जिले के गुरावल में 30.64 हेक्टेयर क्षेत्र में औद्योगिक पार्क विकसित किये जायेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों की प्रशंसा केन्द्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी की और कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर में उद्योग की अलख जगाने का कार्य किया है। इस अंचल में अधोसंरचना और निवेश की शुरुआत वर्षों पहले की गई। वर्तमान में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की क्षमताओं के अनुकूल प्रदेश को राष्ट्रीय पटल पर लाने का कार्य किया है। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की पहल करने वाले वे पहले मुख्यमंत्री हैं। इससे ग्वालियर-चंबल क्षेत्र की तस्वीर बदल जाएगी। श्री सिंधिया ने विभिन्न सेक्टर में उद्योगों के विकास की संभावना पर भी प्रकाश डाला।

जबलपुर समिट में 22 हजार करोड़ के प्रस्ताव

प्रदेश के विभिन्न अंचलों में क्षेत्रीय इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के आयोजनों की श्रृंखला में जुलाई माह में एक समिट जबलपुर में सम्पन्न हुई। इस क्षेत्रीय इंडस्ट्री निवेश कॉन्क्लेव में वृहद इकाइयों और एमएसएमई इकाइयों की स्थापना के लिए लगभग 22 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आये। इससे स्थानीय उत्पाद को तो ख्याति मिलेगी इसके साथ ही रोजगार के नये अवसर भी सृजित होंगे। इस 22 हजार के निवेश में वृहद इकाइयों के लिये 17 हजार करोड़ और पांच हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव लघु एवं मध्यम उद्योगों की स्थापना के लिये हैं। जबलपुर आरईसी में सबसे बड़ा 600 करोड़ का निवेश प्रस्ताव रक्षा उपकरण निर्माण से संबंधित आया है। इसके अंतर्गत अशोक लीलैंड एवं आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड के बीच करारनामा भी हो गया है। जबलपुर कॉन्क्लेव में 67 नई औद्योगिक इकाइयों का वर्चुअल लोकार्पण अथवा भूमिपूजन हुआ। 265 औद्योगिक इकाइयों के लिये 340 एकड़ भूमि आवंटित की गई। नई इकाइयों से प्रदेश में 16 हजार 500 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

उज्जैन क्षेत्रीय इन्वेस्टर्स समिट में आया 10 हजार करोड़ से अधिक का निवेश

मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक उज्जैन नगर का उल्लेख रामायण और महाभारत काल सहित भारतीय इतिहास के प्रत्येक पन्ने पर मिलता है। इस नगर के इतिहास में पहली इन्वेस्टर्स समिट 'रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव 2024' का आयोजन हुआ।

इसमें लगभग 10 हजार करोड़ से अधिक का निवेश आया। इंजीनियरिंग महाविद्यालय परिसर में संपन्न इस कॉन्क्लेव में भारत के औद्योगिक प्रतिनिधियों के अतिरिक्त यूएसए, यूके, कनाडा, जर्मनी, इजराईल, जापान, घेनोन, साउथ कोरिया, सिंगापुर, जाम्बिया और मलेशिया के प्रतिनिधियों सहित कुल 900 औद्योगिक प्रतिष्ठानों के 4 हजार प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 20 से अधिक प्रमुख औद्योगिक समूहों के पदाधिकारियों से वन-टू-वन चर्चा की। कॉन्क्लेव में 63 इकाइयों का वर्चुअल शुभारंभ भी किया गया। इन इकाइयों में लगभग 10 हजार 64 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद बताई गई है। इन इकाइयों में 17 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है। इसके अतिरिक्त इनसे जुड़ी सहायक इकाइयों में स्वरोजगार के अवसर भी मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस कॉन्क्लेव में ही 283 बड़ी और एमएसएमई इकाइयों को निवेश प्रस्तावों के लिए मंच पर ही भूमि आवंटन आदेश दिये। औद्योगिक इकाइयों के लिये मंच से ही भूमि आवंटन पहली बार हुआ। इस कॉन्क्लेव में सबसे बड़ा 75 हजार करोड़ के निवेश का प्रस्ताव अडानी समूह की ओर से आया। जबकि पेप्सिको समूह की ओर से उज्जैन में ही 1250 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव आया। इससे लगभग 500 लोगों को रोजगार मिलेगा। इस कॉन्क्लेव में एलटीआई माइंडट्री के साथ हुये एम.ओ.यू. के अंतर्गत सुपर कॉरिडोर इंदौर में 500 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इसके लिए 10 एकड़ भूमि आवंटित की गई। इस निवेश से 10 हजार रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इस कॉन्क्लेव में लगभग 880 इकाइयों के द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश के लिए इन्टेन्शन-टू-इन्वेस्ट प्रदर्शित किया गया।

रमेश शर्मा

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

गेल (इंडिया) लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम)

विभिन्न विभागो में दिव्यांगजन श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए विशेष भर्ती अभियान

गेल (इंडिया) लिमिटेड सार्वजनिक क्षेत्र की एक महारत्न तथा भारत की अग्रणी प्राकृतिक गैस कंपनी है जोकि प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला (अन्वेषण एवं उत्पादन, प्रोसेसिंग, संचरण, वितरण एवं विपणन सहित) के समस्त पहलुओं तथा इससे संबंधित सेवाओं को एकीकृत कर रही है। गेल तेजी से बदलते व्यापारिक परिवेश में हरित ऊर्जा गलियारों का चतुर्भुज बनाकर स्वच्छ ईंधन औद्योगीकरण के नए युग का सूत्रपात कर रहा है जो भारत के बड़े उपभोक्ता केंद्रों को प्रमुख गैस क्षेत्रों, एलएनजी टर्मिनलों तथा सीमा पार के अन्य गैस स्रोतों से जोड़ता है। देश की नंबर 1 गैस कंपनी गेल विकास, सफलता और सीखने के अवसर एवं अच्छे पारिश्रमिक प्रदान करती है।

गेल (इंडिया) लिमिटेड देश के विभिन्न राज्यों में स्थित कार्य–केन्द्रों/यूनिट हेतु नीचे **तालिका–I** में प्रत्येक पद के सम्मुख दर्शाई गई बैकलॉग रिक्तियों को भरने के लिए पात्रता मानदंड पूरा करने वाले भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित करता है:–

दिव्यांगजन श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु विशेष भर्ती अभियान

तालिका-I

क्र. सं.	पद का नाम	ग्रेड	रिक्तियों की संख्या					निम्नलिखित श्रेणियों में पीडब्ल्यूबीडी हेतु यथा उपयुक्त चिन्हित पद
			पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी क	पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी ख	पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी ग	पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी घ एवं ङ	कुल	
1	वरिष्ठ अधीक्षक (हिन्दी)	एस–7	–	1	–	–	1	ख) डी, एचएच
2	वरिष्ठ लेखाकार	एस–7	1	1	–	–	2	क) बी, एलवी ख) डी, एचएच
3	वरिष्ठ अधीक्षक (मा.सं.)	एस–7	1	–	–	–	1	क) बी, एलवी
4	वरिष्ठ केमिस्ट	एस–7	–	1	–	–	1	ख) डी, एचएच
5	फोरमैन (इलेक्ट्रिकल)	एस–5	–	1	–	–	1	ख) डी, एचएच
6	फोरमैन (इंस्ट्रूमेंटेशन)	एस–5	–	1	–	–	1	ख) डी, एचएच
7	फोरमैन (मैकेनिकल)	एस–5	–	2	–	–	2	ख) डी, एचएच
	कुल		2	7			9	

प्रयुक्त संक्षिप्तियां

संक्षिप्तियां	स्पष्टीकरण	संक्षिप्तियां	स्पष्टीकरण
पीडब्ल्यूबीडी	दिव्यांगजन	एचएच	अल्प बधिर
बी	नेत्रहीन	डी	बधिर
एलवी	कम दृष्टि	मा. सं.	मानव संसाधन

1. उपर्युक्त पदों के लिए अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता(ओं), न्यूनतम अनिवार्य अनुभव और ऊपरी आयु सीमा नीचे तालिका–II में उल्लेख के अनुसार होगी :

तालिका-II

क्र. सं.	पद/ग्रेड/वेतनमान एवं आयु सीमा	अनिवार्य शैक्षणिक योग्यताएं	न्यूनतम अनिवार्य अनुभव
1	**वरिष्ठ अधीक्षक (हिन्दी)** **ग्रेडः एस–7** **वेतनमानः रु. 35,000–1,38,000/–** **ऊपरी आयु सीमाः** **पी.डब्ल्यू.बी.डी.–अनारक्षित/ई.डब्ल्यू.एस.: 50 वर्ष** **पी.डब्ल्यू.बी.डी. ओ.बी.सी. (एन.सी.एल.): 53 वर्ष** **पी.डब्ल्यू.बी.डी. अ.जा./अ.ज.जा.: 55 वर्ष**	न्यूनतम **50% अंकों** के साथ न्यूनतम **03 वर्ष** की अवधि की **हिन्दी साहित्य/हिन्दी में स्नातक** डिग्री तथा स्नातक में अंग्रेजी एक विषय होना चाहिए। डिग्री प्रमाण–पत्र में स्पष्ट रूप से हिन्दी साहित्य/हिन्दी में स्नातक उपाधि वर्णित होना चाहिए। अभ्यर्थी को कार्यालय परिवेश में कंप्यूटर एप्लीकेशनों (एम एस ऑफिस आदि) का बुनियादी ज्ञान और कौशल होना चाहिए।	राज्य/केंद्र सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में शैक्षणिक योग्यता पश्चात् **बिभिन्न रिपोर्टों, दस्तावेजों, पत्रों आदि का अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद और हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद का** न्यूनतम **08 (आठ)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
2	**वरिष्ठ लेखाकार ग्रेडः एस–7** **वेतनमानः रु. 35,000–1,38,000/–** **ऊपरी आयु सीमाः** **पी.डब्ल्यू.बी.डी.–अनारक्षित/ई.डब्ल्यू.एस.: 50 वर्ष** **पी.डब्ल्यू.बी.डी. ओ.बी.सी. (एन.सी.एल.): 53 वर्ष** **पी.डब्ल्यू.बी.डी. अ.जा./अ.ज.जा.: 55 वर्ष**	**सी ए/आई.सी.डब्ल्यू.ए. (सीएमए)** में इंटरमीडिएट या समकक्ष। **अथवा** न्यूनतम **55% अंकों** के साथ वाणिज्य (कॉमर्स) में न्यूनतम **02 वर्ष** की अवधि की स्नातकोत्तर डिग्री। अभ्यर्थी को कार्यालय परिवेश में व्यक्तिगत कंप्यूटर के प्रचालन में प्रवीण होना चाहिए तथा कंप्यूटर एप्लीकेशनों (एमएस ऑफिस आदि) का बुनियादी ज्ञान और कौशल होना चाहिए।	राज्य/केंद्रीय सरकार के विभाग(गों)/संगठन(नों)/उपक्रम(मों)/और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में शैक्षणिक योग्यता पश्चात् **वित्त एवं लेखा (एफ एंड ए) के विभिन्न कार्यों का** न्यूनतम **08 (आठ)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
3	**वरिष्ठ अधीक्षक (मा.सं.)** **ग्रेडः एस–7** **वेतनमानः रु. 35,000–1,38,000/–** **ऊपरी आयु सीमाः** **पी.डब्ल्यू.बी.डी.–अनारक्षित/ई.डब्ल्यू.एस.: 50 वर्ष** **पी.डब्ल्यू.बी.डी. ओ.बी.सी. (एन.सी.एल.): 53 वर्ष** **पी.डब्ल्यू.बी.डी. अ.जा./अ.ज.जा.: 55 वर्ष**	न्यूनतम **50% अंकों** के साथ **03 वर्ष** की स्नातक डिग्री और न्यूनतम **50% अंकों** के साथ **कार्मिक प्रबंधन/औद्योगिक संबंध में डिप्लोमा।** अभ्यर्थी को कार्यालय परिवेश में व्यक्तिगत कंप्यूटर के प्रचालन में प्रवीण होना चाहिए तथा कंप्यूटर एप्लीकेशनों (एमएस ऑफिस आदि) का बुनियादी ज्ञान और कौशल होना चाहिए।	राज्य/केंद्र सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **मानव संसाधन के विभिन्न कार्यों का** शैक्षणिक योग्यता पश्चात् न्यूनतम **08 (आठ)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
4	**वरिष्ठ केमिस्ट** **ग्रेडः एस–7** **वेतनमानः रु. 35,000–1,38,000/–** **ऊपरी आयु सीमा :** **पी.डब्ल्यू.बी.डी.–अनारक्षित/ई.डब्ल्यू.एस.: 50 वर्ष** **पी.डब्ल्यू.बी.डी. ओ.बी.सी. (एन.सी.एल.): 53 वर्ष** **पी.डब्ल्यू.बी.डी. अ.जा./अ.ज.जा.: 55 वर्ष**	न्यूनतम **50% अंकों** के साथ **केमिस्ट्री** में न्यूनतम **02 वर्ष** की अवधि की **स्नातकोत्तर डिग्री (एम.एस.सी.)।**	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला (क्वालिटी कंट्रोल लेबोरेट्री)** का शैक्षणिक योग्यता पश्चात् न्यूनतम **08 (आठ)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
5	**फोरमैन (इलेक्ट्रिकल)** **ग्रेडः एस–5** **वेतनमानः रु. 29,000– 1,20,000/–** **ऊपरी आयु सीमा :** **पी.डब्ल्यू.बी.डी.–अनारक्षित/ई.डब्ल्यू.एस.: 40 वर्ष** **पी.डब्ल्यू.बी.डी. ओ.बी.सी. (एन.सी.एल.): 43 वर्ष** **पी.डब्ल्यू.बी.डी. अ.जा./अ.ज.जा.: 45 वर्ष**	**इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स** में न्यूनतम **55% अंकों** के साथ इंजीनियरिंग में डिप्लोमा।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **इलेक्ट्रिकल विभाग** में शैक्षणिक योग्यता पश्चात् न्यूनतम **02 (दो)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
6	**फोरमैन (इंस्ट्रूमेंटेशन)** **ग्रेडः एस–5** **वेतनमानः रु. 29,000 – 1,20,000/–** **ऊपरी आयु सीमा :** **पी.डब्ल्यू.बी.डी.–अनारक्षित/ई.डब्ल्यू.एस.: 40 वर्ष** **पी.डब्ल्यू.बी.डी. ओ.बी.सी. (एन.सी.एल.): 43 वर्ष** **पी.डब्ल्यू.बी.डी. अ.जा./अ.ज.जा.: 45 वर्ष**	**इंस्ट्रूमेंटेशन/इंस्ट्रूमेंटेशन एवं कंट्रोल/इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंस्ट्रूमेंटेशन/इलेक्ट्रिकल एवं इंस्ट्रूमेंटेशन/इलेक्ट्रॉनिक्स/इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स** में न्यूनतम **55% अंकों** के साथ इंजीनियरिंग में डिप्लोमा।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग** में शैक्षणिक योग्यता पश्चात् न्यूनतम **02 (दो)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
7	**फोरमैन (मैकेनिकल)** **ग्रेडः एस–5** **वेतनमानः रु. 29,000 – 1,20,000/–** **ऊपरी आयु सीमा :** **पी.डब्ल्यू.बी.डी.–अनारक्षित/ई.डब्ल्यू.एस.: 40 वर्ष** **पी.डब्ल्यू.बी.डी. ओ.बी.सी. (एन.सी.एल.): 43 वर्ष** **पी.डब्ल्यू.बी.डी. अ.जा./अ.ज.जा.: 45 वर्ष**	**मैकेनिकल/प्रोडक्शन/प्रोडक्शन एवं इंडस्ट्रियल/मेनुफैक्चरिंग/मेकैनिकल एवं ऑटोमोबाइल** में न्यूनतम **55% अंकों** के साथ इंजीनियरिंग में डिप्लोमा।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **मेकैनिकल विभाग** में शैक्षणिक योग्यता पश्चात् न्यूनतम **02 (दो)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।

(शेष अगले पृष्ठ पर)

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड, संभाग क्रमांक-03
भोपाल-462003, मो. 9425601545, ई-मेल : mpphidcbpl3@gmail.com
क्र. मप्रपुआअविनि/812/पर्य/भोपाल-03/तहा/2024 भोपाल, दिनांक : 29.08.2024

प्रेस विज्ञप्ति

भोपाल संभाग-3 के अंतर्गत जिला नर्मदापुरम, शाजापुर, हरदा, सीहोर एवं सागर में मरम्मत एवं रेनोवेशन कार्य हेतु निविदा क्रमांक-.03/2024-25(ऑनलाइन निविदा क्र.-366400, 366402, 366403, 366404, 366405, 366406, 366407, 366408, 366409, 366410 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 13.09.2024 सायं 5:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/116146/2024 R-49999/2024 **परियोजना यंत्री**

एमपी इण्डस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कार्पो. लि.

क्षेत्रीय कार्यालय, उद्योग भवन, भू-तल, टी.व्ही. टॉवर के पास, जबलपुर (म.प्र.)
क्र.एमपीआईडीसी/क्षे.का.ज./तक/2024/2371 जबलपुर, दिनांक 07.08.2024

निविदा आमंत्रण सूचना

एमपी इण्डस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लि. क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर द्वारा औद्योगिक विकास केन्द्र मनेरी जिला मंडला में फूडपार्क कोल्ड स्टोर जो ''जैसा है जहां है तथा जो जैसा है'' के संचालन व संधारण हेतु पात्र एजेंसियों/व्यक्तिश: से ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

अर्नेस्ट मनी (रुपये)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	लीज की अवधि
3.00 लाख	5900/-	तीन वर्ष तथा निविदा प्रपत्र के अनुसार

किसी भी निविदा या समस्त निविदायें बिना कारण बताये निरस्त/स्वीकृत करने तथा निविदा की तिथि बढ़ाने का अधिकार निगम के कार्यकारी संचालक के पास सुरक्षित है। टेंडर डाक्यूमेंट पोर्टल **mptenders.gov.in** के माध्यम से निर्धारित तिथि तक डाउनलोड व क्रय किये जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/116114/2024 **कार्यकारी संचालक**
R-49995/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./11015/22/D-12/DPR-Cons./PMGSY-II/MPRRDA/24
Bhopal, Date : 29.08.2024

NOTICE INVITING TENDER FROM CONSULTANTS FOR CONDUCTING TRAFFIC SURVEY FOR DPR PREPARATION
(E-Procurement Notice)

Online Bids are invited from the reputed Consultants for Conducting Traffic Survey by installing Automatic Traffic Counter and Classifier (ATCC) with axle load survey for preparation of **Detailed project reports of Roads under MPRRDA :-**

- **District – All Districts of MP**
  Nodal PIU- Bhopal
  Total – No. of Locations - 150

1. RFP document may be seen and downloaded from e-procurement system portal from **17:30 hrs on 30.08.2024.**
2. Last date for Bid Submission is **23.09.2024 upto 17:30 hrs.**
3. Other details & conditions may be seen in the detailed NIT, RFP Document (August 2024) for Conducting Traffic survey in selected location on specified Roads is available on E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in.**

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/116135/2024 **(TENDER)**
R-49996/2024

'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
No./10836/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 27.08.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 308/MTN/2024 (BW)

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :-

Name of work : Repair/Maintenance of Rural Roads.

1. Table-1, Name of Work– Within 5 Year Maintenance (BW)

S.No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Burhanpur	1	1876000.00
2.	Ujjain	1	6321000.00

2. Table-2, Name of Work– Post 5 Years (BW)

S.No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Burhanpur	1	3682000.00

3. Table-3, Name of Work – Post 10 Years (BW)

S.No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Dhar	1	14702000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **28.08.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/116091/2024 **(TENDER)**
R-49993/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
No./11023 /22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 29.08.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 309/MTN/2024 (BW)

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :-

- **SSR Applicable : - SSR Issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.**

1. Table 1;- Name of Work : Within 5 Year Maintenance (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Burhanpur	1	5030000.00
2.	**Table-2;-Name of Work : Post 10 Year (BW)**		
1.	Indore	1	10692000.00
2.	Sidhi	1	3990000.00
3.	**Table 3;- Name of Work : Post 15 Year (BW)**		
1.	Indore	1	6133000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **30.08.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. Madhyam/116143/2024 **CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**
'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।
R-49998/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 307/MTN/2024 (Flood Damage-SR)

No./10833/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 27.08.2024

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 01.01.2024 and amendments upto issue date of NIT.
- **Name of Work -** Special Repair of Roads/Culverts (Flood Damage)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Sagar	1	3998000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **28.08.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/116092/2024 **(TENDER)**

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49994/2024

Vidyodaya Mahavidyalaya

Affiliated to DAVV, Indore
Dhar Road Opp. Telephone Exchange, MANAWAR, Dist. Dhar (M.P.) 454446

REQUIRES

Applications are invited for the following posts, under college code-28, Eligibility and salary as per UGC/AICTE and MP Govt. norms.

* Associate/Asst. Professor (Geography,Biotechnology,Physics,Commerce Botany,Maths,Hindi,Chemistry,English,Management,Computer,Economics Soil Conservation & Water Management,Home Science)

* Sports officer, Librarian, Accountant

Note:- Qualification for S.C.W.M. (M.Sc. in Soil Science/Agronomy/Seed Technology/Agroforestry)

Apply within 15 days with complete resume

Contact : Mob. No.8269984222, 9826537056 Principal
email: vidyodaya_society@rediffmail.com

R-50000/2024

हिनौती गौधाम में 15 हजार से अधिक गौवंशों को मिलेगा आश्रय

रीवा, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने राजनिवास सर्किट हाउस रीवा में हिनौती गौधाम वन्य विहार अभयारण्य निर्माण की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हिनौती गौधाम को आदर्श गौ-अभयारण्य के रूप में विकसित किया जाएगा। इसमें 15 हजार से अधिक गौवंश को आश्रय मिलेगा। उन्होंने विभिन्न निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। श्री शुक्ल ने निर्देशित किया कि गौधाम में सड़क और शेड निर्माण का कार्य तत्काल शुरू करें जिससे प्रारंभिक स्तर में कम से कम तीन हजार गौवंश को रखने की व्यवस्था हो सके। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हिनौती गौधाम, गौवंश के लिए आदर्श वन्य विहार साबित होगा। गौधाम की कार्य योजना में कौशल प्रशिक्षण, नवकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण तथा स्वरोजगार के कार्य शामिल हैं। इसमें मंदिर, संत निवास और रेस्ट हाउस का भी निर्माण किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि गौधाम वन्य विहार की प्रस्तावित कार्ययोजना के अनुसार कार्य शुरू किए जा रहे हैं।

श्रमिकों के भुगतान की घोषणा पर जताया आभार

ग्वालियर, ग्वालियर जेसी मिल के श्रमिकों की लम्बित देनदारियों के भुगतान के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा की गई घोषणा तथा रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव के जरिए ग्वालियर-चम्बल अंचल को मिले करोड़ों के निवेश प्रस्ताव के लिए ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने केन्द्रीय नेतृत्व और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि ग्वालियर जेसी मिल बन्द होने के बाद से ही इसमें कार्यरत रहे श्रमिकों की देनदारियों के भुगतान को लेकर लम्बे समय से संघर्ष चल रहा था। ऊर्जा मंत्री ने इस मुद्दे को मुख्यमंत्री और केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समक्ष रख समाधान का आग्रह किया था।

(पिछले पृष्ठ का शेष)

2. तालिका–II में दर्शायी गई ऊपरी आयु सीमा एवं शैक्षणिक योग्यता दिव्यांगजन श्रेणी में लागू छूट सहित है।
3. ग्रेड–वार पदों की सं., विभाग, योग्यता मानदंड के विस्तृत विवरणों, ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के लिए सामान्य शर्तों और अनुदेशों से सम्बंधित सूचना दिनांक **14.08.2024 को 1100 बजे से** दिनांक **13.09.2024 को 1800 बजे तक** गेल वेबसाइट **www.gailonline.com** के **''कॅरियर्स''** सेक्शन पर उपलब्ध है।
4. उपर्युक्त विज्ञापन में किसी संशोधन, स्पष्टीकरण, परिशिष्ट, शुद्धिपत्र, समय विस्तार, आदि को केवल गेल की वेबसाइट **www.gailonline.com** के **''कॅरियर्स''** खंड में अपलोड किया जाएगा और किसी भी मीडिया में अलग से कोई अधिसूचना जारी नहीं की जाएगी। अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे खुद को अपडेट रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट देखते रहें। इसके अलावा, अभ्यर्थियों को यह भी सलाह दी जाती है कि किसी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए गेल वेबसाइट (**https://gailonline.com/CRApplyingGail.html**) पर विज्ञापन के तहत होस्ट किए गए FAQs देखें।
5. आवेदक द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सिफारिश किए जाने से उसकी उम्मीदवारी अयोग्य घोषित कर दी जाएगी। इस विज्ञापन के एवज में भर्ती के संबंध में उत्पन्न कोई भी विवाद **दिल्ली उच्च न्यायालय** के क्षेत्राधिकार के अधीन होगा।
6. गेल एतद्द्वारा आम जनता को सतर्क करता है कि वे संदिग्ध एजेंसियों/संगठनों/व्यक्तियों/लोगो के बहकावे में न आएं जिनका उद्देश्य मासूम लोगों से पैसा हड़पना होता है। ई–मेल, फर्जी सोशल मीडिया एकाउंट्स आदि के माध्यम से परिचालित गेल (इंडिया) लिमिटेड के किसी भी विज्ञापन/नौकरी की घोषणा पर भी कृपया विश्वास न करें। कृपया गेल (इंडिया) लिमिटेड से संबंधित किसी भी कॅरियर संबंधी जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट **www.gailonline.com** पर अपलोड की गई जानकारी पर ही भरोसा करें।

नोटः इस विज्ञापन के हिन्दी रूपांतरण में निहित किसी भी शर्त की किसी व्याख्या के संबंध में कोई संदेह/अस्पष्टता होने की स्थिति में विज्ञापन का अंग्रेजी संस्करण मान्य होगा।

गेल के 'कॅरियर्स' सेक्शन पर जाने के लिए QR कोड स्कैन करें

पंजीकृत कार्यालयः गेल भवन, 16, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली – 110066
निगमित पहचान संख्याः L40200DL1984GOI018976, फोनः 011-2617 2580
ई–मेलः career@gail.co.in, वेबसाइटः https://gailonline.com

SANT SHIROMANI RAVIDAS GLOBAL SKILLS PARK, BHOPAL

OPPORTUNITY TO TRANSFORM MADHYA PRADESH INTO THE SKILL CAPITAL OF INDIA

Global Skills Park, a flagship initiative of Department of Technical Education, Skills Development & Employment, Goverment of Madhya Pradesh with financial assistance of Asian Development Bank and technical support of ITEES Singapore is the first multi-skills park in India, which will introduce technolgoy-oriented skill courses and impart advanced job-ready skills training of international standard, Global Skills Park will consist of core advanced training institutes-Center for Occupational Skills Acquisition (COSA) TVET support services such as entrepreneurship development, training of trainers and skill related research.

Global Skills Park Society is inviting applications for the various positions and is looking for experienced, dynamic talented skilled leaders for the following positions at Bhopal, Madhya Pradesh

NON-TECHNICAL POSITIONS

1. Manager - 11

(i) Procurement-01
(ii) Store - 01
(iii) Counselling & Admissions - 01
(iv) Assessment & Certification - 01
(v) Marketing, Communication and PR - 01
(vi) Industry Engagement & Placements - 01
(vii) Students Outreach & Mobilizations - 01
(viii) COSA-2 - 01
(ix) Trainer & Practitioner's Development Centre (TPCD) - 01
(x) Centre for Innovation & Entrepreneurship - 01
(xi) Centre for Skills Research - 01

2. Manager - Level Counsellor - 06

(i) Counselling & Admission - 06

3. Executives - 06

(i) HR - 01
(ii) Housekeeping - 01
(iii) Hostel/Student Facilities - 01
(iv) Maintenance & Engineering - 01
(v) Counselling & Admission - 01
(vi) COSA-2-01

TECHNICAL POSITIONS

4. Course Head - 02

(i) Networking & Systems Administration - 01
(ii) Precision Engineering - 01

5. Principal Trainer - 03

(i) Air-Conditioning & Refrigeration - 01
(ii) Mechanical and Electrical Services - 01
(iii) Precision Engineering - 01

6. Trainer - 14

(i) Precision Engineering - 14

7. Technicians - 18

(i) COSA-1-18

Last date for applications to reach us is **15th September 2024.** For Qualification, salary for above post, detailed information and application process, **please visit : https://globalskillspark.in/**

G-15578/50004/2024

कार्यालय, अध्यक्ष काउंसलिंग समिति तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश

टैगोर छात्रावास क्रमांक-टी2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र 2024-25 (C-16)

मास्टर ऑफ प्लानिंग (Master of Planning)
पाठ्यक्रम में Valid GATE/NET Score के आधार पर प्रथम वर्ष में प्रवेश
(मध्यप्रदेश के शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय/निजी संस्थान)

प्रदेश स्थित काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित मास्टर ऑफ प्लानिंग (Master of Planning) पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु ऑनलाइन ऑफ कैम्पस काउंसलिंग में पंजीयन दिनांक 31.08.2024 से आरंभ हो रहे हैं।

प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी के लिये महत्वपूर्ण निर्देश, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।

संपर्क : 0755-6720205, 2660441, ईमेल : dte.helpcenter@mp.gov.in

अध्यक्ष काउंसलिंग समिति एवं
आयुक्त तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

म.प्र. माध्यम/116176/2024
R-50005/2024

कार्यालय, अध्यक्ष काउंसलिंग समिति तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश

टैगोर छात्रावास क्रमांक-टी2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

संस्थागत प्राथमिकता सीटों के अंतर्गत प्रवेश

(Institutional Preference Seats)
सत्र 2024-25

संस्थागत प्राथमिकता सीटों (Institutional Preference Seats) के लिये काउंसलिंग उन संस्थानों में आयोजित होगी जिन्होंने इन सीटों के लिये सहमति पत्र के साथ आवेदन किया था। संस्थागत प्राथमिकता सीटों के अंतर्गत AICTE/COA द्वारा स्वीकृत प्रवेश क्षमता के 10 प्रतिशत स्थानों तक ही प्रवेश की कार्यवाही की जावेगी।

कार्यक्रम

पाठ्यक्रम	ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	काउंसलिगं अवधि
बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (B.Tech.)	07.09.2024 से 15.09.2024 सायं 5:30 बजे तक	दिनांक 11.09.2024 से दिनांक 15.09.2024 रात्रि 11:45 तक
बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर (B.Arch.)	07.09.2024 से 15.09.2024 सायं 5:30 बजे तक	दिनांक 09.09.2024 से दिनांक 15.09.2024 रात्रि 11:45 तक

प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थियों के लिये महत्वपूर्ण निर्देश, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची संस्थागत प्राथमिकता सीटों के लिये उपलब्ध संस्थानों की सूची एवं उनके द्वारा इन सीटों पर प्रवेशित अभ्यर्थियों से लिये जाने वाले शिक्षण शुल्क तथा विस्तृत प्रक्रिया वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।

संपर्क : 0755- 6720205, 2660441, Email : dte.helpcenter@mp.gov.in

अध्यक्ष काउंसलिंग समिति एवं
आयुक्त तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

म.प्र. माध्यम/116177/2024
R-50006/2024

कार्यालय प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ce.tender.wrdmp@gmail.com, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1092/2024-25/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 27.08.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 23.09.2024** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2024_WRD_365719_1	**टर्न की पद्धति पर :-** कूनो नदी पर कटीला बांध एवं 1,00,000 हेक्टर क्षेत्र में दाबयुक्त नहर प्रणाली का निर्माण कार्य विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार लेकिन उस तक सीमित नहीं।	शिवपुरी	408474.38
2.	2024_WRD_365720_1	**टर्न की पद्धति पर :-** पार्वती नदी पर कुम्भराज कॉम्प्लेक्स अंतर्गत दो बांधों पर 1,05,850 हेक्टर क्षेत्र में दाबयुक्त नहर प्रणाली का निर्माण कार्य विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार लेकिन उस तक सीमित नहीं।	शिवपुरी	285941.00

जी-15492/49991/2024

मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

प्रदेश के प्रत्येक विकासखण्ड का एक गांव 'बरसाना' के रूप में होगा विकसित

इंदौर, प्रदेश के सभी विकासखण्डों में एक गांव को चयनित कर बरसाना गांव के रूप में विकसित किया जायेगा। इन गांवों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और सिद्धांतों का प्रसार जन-जन तक पहुंचाया जायेगा। बरसाना गांव में जहां एक ओर प्राचीन संस्कृति को पुष्पित और पल्लवित किया जायेगा वहीं दूसरी ओर जैविक खेती और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जायेगा। इन गांवों में विकास की नई दिशा तय की जायेगी। ग्रामीणों में मानवता, सामाजिक, सांस्कृतिक एकता के जन जागरण का प्रसार कर एक ऐसा समाज तैयार किया जायेगा, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण के आदर्श और सिद्धांत दिखाई दें। प्रदेश के हर एक नगरीय निकाय में गीता भवन केन्द्र भी स्थापित किये जाएंगे। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव पर 'हर बालक कृष्ण-हर माँ यशोदा' की थीम पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने उपस्थित बाल-गोपालों और यशोदा माताओं का पुष्प-वर्षा कर अभिनंदन किया। इस अनूठे कार्यक्रम में 5 हजार से अधिक बच्चे बाल-गोपाल और इतनी ही माताएं मैया यशोदा के रूप में मौजूद थीं। कार्यक्रम स्थल पूरी तरह आलौकिक अनुभूति से सराबोर था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने के लिये हमने हर विकासखण्ड के एक गांव को चयनित कर 'बरसाना' गांव के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। साथ ही नगरीय क्षेत्रों में गीता भवन केन्द्र भी स्थापित किये जाएंगे। उन्होंने आह्वान किया कि 'हर बालक कृष्ण-हर माता यशोदा' के रूप में अपना जीवन बनायें।

भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के विभिन्न पक्षों पर शोध कार्य को प्रोत्साहित किया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास में हुए श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की

भोपाल, मध्यप्रदेश में भगवान श्रीराम ने 11 वर्ष निवास किया, वहीं भगवान श्रीकृष्ण ने प्रदेश में आचार्य सांदीपनि के आश्रम, उज्जैन में शिक्षा ग्रहण की। इस नाते मध्यप्रदेश गौरवशाली प्रदेश है। मध्यप्रदेश सरकार ने भारतीय समाज के इन दोनों प्रमुख आराध्यों की प्रदेश से जुड़ी स्मृतियों को चिरस्थाई बनाने के लिए उन स्थानों के विकास का निर्णय लिया है, जहां इन आराध्यों के चरण पड़े। इसके साथ ही भगवान श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व एवं मध्यप्रदेश में शिक्षा प्राप्ति से जुड़े विभिन्न पक्षों पर शोध को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास परिसर में आयोजित कार्यक्रम जन्माष्टमी को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता प्रेरणा देती है। मध्यप्रदेश के परिप्रेक्ष्य में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अध्ययन के लिए मध्यप्रदेश आने के साथ ही जगत गुरु के रूप में स्थापित होना ऐतिहासिक है।

आध्यात्म के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम

खजुराहो सांसद श्री वी.डी. शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने धर्म और आध्यात्म के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्रदेश के प्रत्येक विकासखण्ड में एक बरसाना गांव विकसित कर गौ-पालन, जैविक खेती को बढ़ावा देने और ग्राम में मानवता, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक जन-जागरण की गतिविधियों से आदर्श समाज बनाने की पहल की जा रही है। इसके साथ ही नगरों में बुजुर्गों की सेवा और उनके लिए अध्ययन की व्यवस्था के उद्देश्य से गीता भवन बनाने की कल्पना को भी साकार किया जाएगा। प्रदेश में भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े स्थानों को विकसित करने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बना विशेष

बुंदेलखण्ड के आंचलिक लोक नृत्य बधाई के साथ ही मयूर नृत्य, मथुरा की फूलों की होली और माखन मटकी फोड़ कार्यक्रम हुए। कोलकाता के श्री राज पारिक ने भक्ति गायन, मथुरा की सुश्री जया सक्सेना ने मयूर नृत्य एवं फूलों की होली कार्यक्रम प्रस्तुत किए। नृत्य नाटिका की प्रस्तुति इंदौर की सुश्री हर्षिता शर्मा ने दी।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय जेल भोपाल में विकास कार्यों का किया लोकार्पण

भोपाल, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व उल्लास और उमंग से मनाया जा रहा है। हमारे पर्व-त्योहार जीवन को आनंदमयी बनाते हैं। अनेक अवसरों पर हम व्रत, नक्षत्रों की अवस्था के अनुरूप त्योहारों को मांगलिक अवसर मानकर मंगलकामनाएँ देते हैं। मांगलिक तिथियों पर आने वाले पर्व-त्योहार मंगलकामनाएं देने का अवसर हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय जेल, भोपाल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय जेल के निकट जेल पेट्रोल पंप का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय जेल में 4 नई बैरक के भूमिपूजन सहित प्रदेश की विभिन्न जेलों में विकास कार्यों का लोकार्पण किया। भोपाल की 4 बैरक की क्षमता 80 बंदियों की होगी। इसकी लागत तीन करोड़ रुपये है। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने उप जेल तराना जिला उज्जैन में आउटवाल सहित नव निर्मित बैरक, केंद्रीय जेल नर्मदापुरम और उप जेल डबरा में वॉच टावर और केंद्रीय जेल नरसिंहपुर में बेकरी यूनिट का लोकार्पण किया।

आय और कारोबार बढ़ाने के लिए अन्य राज्यों और देश के बाहर अध्ययन किया जाए

भोपाल, मछुआरों के लिए क्रियान्वित की जा रही योजनाओं का लाभ उनको सुगमता से मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। समृद्ध किसान की अवधारणा को साकार करने के लिए प्रयास करें। मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग में बड़ी संभावनाएं हैं। मछुआरों की आय और कारोबार बढ़ाने के लिए अन्य राज्यों और देश के बाहर भी अध्ययन किया जाए। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में आयोजित मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने मुख्यमंत्री निवास पर मछुआ पंचायत का आयोजन करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मत्स्य पालन से अधिकाधिक लोगों को रोजगार मिलो विभाग में मत्स्य बीज उत्पादन, विस्तार, मछुआ प्रशिक्षण, प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना और मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना आदि संचालित हैं। ग्रामीण तालाब, सिंचाई जलाशय, मत्स्य महासंघ के जलाशयों में मत्स्य बीज और मत्स्य उत्पादन हो रहा है। विभाग में 96 हजार 752 मछुआ सहकारी समितियां हैं। मुख्यमंत्री ने अन्य पिछड़ा वर्ग के हितग्राहियों को समितियों में पंजीकृत करने के दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल में एक्वा पार्क का निर्माण समय पर पूरा किया जाए।

पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। प्रदेश में बीज हैचरी यूनिट्स की संख्या में वृद्धि की जाए। निजी क्षेत्र को भी इससे जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन-बेतवा और पार्वती-काली सिंध जैसी परियोजनाओं को ध्यान में रखकर जल संरचनाएं तैयार की जाएं।

नि:शुल्क कोचिंग जल्द प्रारंभ करायें

भोपाल, जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन एवं भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने भोपाल स्थित गैस राहत संचालनालय के सभाकक्ष में आयोजित जनजातीय कार्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा है कि जनजातीय वर्ग के बच्चों को उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश कराने की तैयारी के लिये आकांक्षा योजना की नि:शुल्क कोचिंग जल्द से जल्द प्रारंभ करें। इससे बच्चों को प्रोत्साहन मिलेगा और वे प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने के गुर सीखेंगे। डॉ. शाह ने कहा कि जनजातीय कार्य विभाग का खुद का डेटाबेस और एप तैयार करें। विभाग की पूरी संरचना और मानव संसाधन की पूरी जानकारी उसमें समाहित हो।

मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि विभाग के अधीन सभी श्रेणी के शिक्षक संवर्गों के सीधी भर्ती के पदों पर भर्ती करें। पदोन्नति के पदों पर उच्च पद का प्रभार देने की कार्यवाही 30 सितम्बर तक पूरी कर लें। उन्होंने कहा कि एकलव्य विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर और आदर्श आवासीय विद्यालयों के प्राचार्यों को सप्ताह में एक या एक से अधिक दिन एक घण्टा बच्चों को पढ़ाना होगा और उन्हें पढ़ाई व खेल के प्रति अभिप्रेरित करना होगा। छात्रावास में पढ़ने वाले बच्चों को भी सप्ताह में एक दिन एक घण्टे तक खेलने के लिये प्रेरित किया जाये।

बुनकरों का आर्थिक विकास है सर्वोच्च प्राथमिकता

अशोकनगर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अशोकनगर जिले के चंदेरी में भ्रमण के दौरान अनेक ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया। मुख्यमंत्री किला कोठी स्थिति बैजू बावरा की समाधि एवं जौहर स्मारक पहुंचे और श्रद्धा सुमन अर्पित किये। उन्होंने चंदेरी स्थित लक्ष्मण मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। साथ ही चंदेरी में हैंडलूम पार्क का अवलोकन कर बुनकरों से संवाद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चंदेरी का जौहर स्मारक देश के गौरवशाली इतिहास का वह स्वर्णिम अध्याय है जो मातृ शक्ति के तेज और पवित्रता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने जौहर-स्मारक पर श्रद्धा-सुमन अर्पित कर रानी मणिमाला सहित उन 1600 क्षत्राणियों को भी नमन किया, जिन्होंने मातृ शक्ति के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिये 29 जनवरी 1528 को जौहर कर लिया था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चंदेरी के हैंडलूम पार्क में चरखा चलाया

मुख्यमंत्री ने चंदेरी में मध्यप्रदेश के रत्न, महान गायक श्री बैजू बावरा की समाधि स्थल पहुंचकर श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। उन्होंने कहा कि संगीत के लिये समर्पित श्री बैजू बावरा का जीवन भावी पीढ़ियों को संगीत की साधना के लिये प्रेरित करता रहेगा।

आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी को किया जायेगा निरंतर प्रोत्साहित

उज्जैन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंथेटिक केमिस्ट्री पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजन उज्जैन के माधव विज्ञान महाविद्यालय में किया जा रहा है, जो हम सबके लिए अत्यंत गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं भी इस महाविद्यालय के छात्र रह चुके हैं। इस प्रकार के आयोजन से विज्ञान से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलता है। माधव विज्ञान महाविद्यालय प्रदेश का पहला ए प्लस ग्रेड का महाविद्यालय है। तत्वों तथा पॉलीमर को केमिस्ट्री लैब में संश्लेषित करने की प्रक्रिया पर यहां संगोष्ठी में विचार-विमर्श किया जा रहा है। इस तरह के आयोजन से विज्ञान से जुड़े शोध से आने वाले समय में और महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने आएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देश में विभिन्न प्रकार के आधुनिक रिसर्च को प्रोत्साहित कर रहे हैं। जेनेरिक दवाइयां तथा पॉलिएस्टर के विभिन्न प्रयोग तथा अन्य प्रकार के निर्माण पर निरंतर जोर दिया जा रहा है। संगोष्ठी में जानकारी दी गई कि यह कॉन्फ्रेंस एक प्रयास है, जहां ऑर्गेनिक केमिस्ट्री और रसायन के विभिन्न सिंथेटिक स्वरूपों के बारे में चर्चा की जाएगी। इस संगोष्ठी में विभिन्न शोध पत्र प्राप्त हुए हैं। कॉन्फ्रेंस में तकनीकी सेशन और अन्य महत्वपूर्ण सेशन होंगे। इन शोध पत्रों को बाद में जर्नल में प्रकाशित किया जाएगा। हमारे विभिन्न शोधार्थी सेशन में अपना शोध प्रस्तुत करेंगे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

महिला सशक्तिकरण की दिशा में अहम भूमिका निभाएगा टेक्सटाइल उद्योग

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बेस्ट लाइफ स्टाइल इंडस्ट्रीज का अवलोकन किया

उज्जैन, उज्जैन औद्योगीकरण की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में टेक्सटाइल उद्योग अहम भूमिका निभाएगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के नागझिरी स्थित बेस्ट लाइफ स्टाइल इंडस्ट्रीज के अवलोकन के दौरान कही। मुख्यमंत्री ने मालवांचल में टेक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रोजेक्ट तैयार करने एवं उद्योगों में महिला सुरक्षा के लिए भी पुलिस प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने उज्जैन के नागझिरी स्थित बेस्ट लाइफ स्टाइल इंडस्ट्रीज के अवलोकन के दौरान कही। मुख्यमंत्री ने मालवांचल में टेक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रोजेक्ट तैयार करने एवं उद्योगों में महिला सुरक्षा के लिए भी पुलिस प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने उज्जैन के नागझिरी स्थित बेस्ट लाइफ स्टाइल इंडस्ट्रीज (वस्त्र उद्योग) के भ्रमण के साथ ही लगभग 1000 से अधिक महिलाओं द्वारा किए जा रहे वस्त्र निर्माण के कार्यों का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री ने वस्त्र तैयार कर रही महिला कारीगरों से वेतन और घर-परिवार के बारे में चर्चा की। महिला कारीगरों ने बताया कि वे रोज़गार मिलने से संतुष्ट हैं। अब घर-परिवार चलाने में किसी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं हो रही है और हम आत्मनिर्भर हुए हैं।

भूमि आवंटन के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने बेस्ट लाइफ स्टाइल कार्यालय में अधिकारियों के साथ उज्जैन में औद्योगिक विकास की गतिविधियों के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

मध्यप्रदेश के सभी स्कूलों में खेल मैदान भी अनिवार्य रूप से हों

भोपाल, जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन एवं भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा है कि जनजातीय कार्य विभाग के सभी स्कूलों में बच्चों की खेल अभिरुचियों के विकास के लिये खेल मैदान भी अनिवार्य रूप से हों। भविष्य में सभी स्कूल खेल मैदान के साथ ही मंजूर कराये जायें। एकलव्य विद्यालयों के खेल मैदानों को आवश्यकतानुसार और बेहतर बनाया जाये। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह गत दिनों गैस राहत संचालनालय के सभाकक्ष में मध्यप्रदेश स्पोर्टस और रेसिडेंशियल एकेडमिक सोसायटी (एमपी सरस) भोपाल की संचालक मण्डल की 39वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

बैठक में डॉ. शाह ने सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि एकलव्य विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर, आदर्श आवासीय विद्यालय एवं सीएम राइज स्कूल में पढ़ने वाले दिव्यांग छात्र-छात्राओं को 40 प्रतिशत तक की दिव्यांगता होने पर उन्हें फ्री मोटोराइज्ड साइकिल उपलब्ध कराने का प्रयास करें। यह कार्य अधिक से अधिक संख्या में किया जाये। जनजातीय वर्ग के अधिकाधिक विद्यार्थियों को आकांक्षा योजना का लाभ दिलायें। दक्षणा कोचिंग के तहत अधिक से अधिक युवाओं को दक्ष बनायें। उन्होंने कहा कि सभी एकलव्य विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर, आदर्श आवासीय विद्यालय एवं सीएम राइज स्कूलों में सीसीटीव्ही कैमरे लगाये जायें, जिनसे वहां चल रही गतिविधियों की मॉनीटरिंग की जा सके।

डॉ. शाह ने कहा कि सीसीटीव्ही कैमरों के अलावा जनजातीय कार्य विभाग के सभी स्कूलों में बायोमैट्रिक मशीन और रोटी मेकर भी स्थापित किये जायें। उन्होंने कहा कि एकलव्य विद्यालयों में अब नर्स भी रखी जायें।

प्रदेश के सहकारी स्कूलों में समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत हुई गतिविधियां

भोपाल, प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षा के गुणात्मक सुधार के लिये विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में शिक्षा देने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व विकास के लिये भी कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

प्रदेश के सभी विकासखंडों एवं जिलों में 'जादू नहीं विज्ञान है-समझना-समझाना आसान है' पर केन्द्रित करते हुए विज्ञान मेलों का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों को विज्ञान के ऐसे प्रयोगों के बारे में बताया गया, जो प्रथम दृष्टया चमत्कार के रूप में दिखते हैं किन्तु वास्तव में उनके पीछे वैज्ञानिक कारण होते हैं, लेकिन समाज में अंधविश्वास फैलाने के लिये इस तरह के आडंबर किये जाते हैं। पिछले वर्ष इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों तथा अभिभावकों की सहभागिता रही है। स्कूल शिक्षा विभाग इस वर्ष शैक्षणिक सत्र में विज्ञान पर केन्द्रित कार्यक्रम आयोजित करने के लिये तैयारी कर रहा।

शासकीय स्कूलों में कला उत्सव के माध्यम से स्कूलों में जाने वाले विद्यार्थियों में उनकी प्रतिभा को पहचानने का प्रयास किया गया। इसके लिये स्कूल शिक्षा और केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के साक्षरता विभाग द्वारा संयुक्त रूप से पहल शुरू की गई है। पिछले वर्ष शासकीय विद्यालयों में कला उत्सव का आयोजन किया गया।

चिकित्सालयों में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराएं

शहडोल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रभार जिले शहडोल में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में ज़िला कार्य समिति की बैठक में विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि उमरिया से शहडोल मार्ग और रीवा से शहडोल मार्ग के निर्माण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराएं। उन्होंने कार्य में विलंब पर नाराज़गी व्यक्त की। उन्होंने अक्टूबर माह तक सड़क निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य की वजह से गतिरोध न हो साथ ही सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रावधान किए जायें।

श्री शुक्ल ने कहा कि शहडोल मेडिकल कालेज एवं जिला चिकित्सालय में मरीजों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया होनी चाहिए। उन्होंने जिला चिकित्सालय शहडोल में मरीजों की आवश्यकतानुसार 500 बेड की सुविधा के लिए प्रस्ताव शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने मेडिकल कॉलेज शहडोल में प्रदाय की जा रही चिकित्सकीय सुविधाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी ली एवं आवश्यक निर्देश दिये।

राष्ट्र निर्माण की नींव हैं विद्यार्थी

भोपाल, विद्यार्थी, राष्ट्र की संपत्ति हैं। विद्यार्थी, राष्ट्र निर्माण में नींव का पत्थर हैं। शिक्षा का मूल ध्येय, विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च समर्पण का भाव जागृत कर श्रेष्ठ नागरिक निर्माण करना है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) परिसर स्थित सिविल सभागार में आयोजित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल के आठवें अभिविन्यास (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम "दीक्षारंभ" में कही। श्री परमार ने देशभर से संस्थान में नव-प्रवेशित विद्यार्थियों का राजा भोज की नगरी में अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि देशभर से प्रवेशित विद्यार्थियों का एकत्रीकरण, संस्थान में लघु भारत को प्रदर्शित करता है। श्री परमार ने कहा कि भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान में अध्ययन के उपरांत, रोज़गार के लिए अपार संभावनाएं हैं।

उद्योग समूहों और निवेशकों ने मध्यप्रदेश सरकार पर जताया भरोसा

ग्वालियर, ग्वालियर में हो रही इन्वेस्टर समिट में, अब तक हुई सभी इन्वेस्टर समिट से बेहतर परिणाम आने की उम्मीद है। क्षेत्रीय स्तर पर औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश के विभिन्न भागों में की जा रही इन्वेस्टर समिट के परिणाम प्रोत्साहित करने वाले हैं। उद्योग समूहों और निवेशकों ने मध्यप्रदेश सरकार पर भरोसा जताया है, राज्य सरकार उनकी अपेक्षाओं पर खरी उतरने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रसन्नता का विषय है कि प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन के लिए लागू की गई नीतियों और व्यवस्थाओं के प्रति उद्योगपति और निवेशक विश्वास व्यक्त कर रहे हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एम्स भोपाल के परिसर में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा के दौरान यह बात कही।

युवा उद्यमशीलता के क्षेत्र में आगे आएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन्वेस्टर समिट प्रदेश में रोज़गार के अवसर बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के उद्योगपति भी अपनी गतिविधियों को विस्तार दें और प्रदेश के युवा अपने उद्यम आरंभ करें।

राज्य सरकार उन्हें हर संभव सहयोग देने के लिए तत्पर है। प्रदेश में उद्योग और उद्यमशीलता में युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए आरंभ किये गये विशेष अभियान अंतर्गत गतिविधियां जारी हैं। समिट जीडीपी बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। समिट में शिक्षा, एमएसएमई, भारी उद्योग और कृषि अभियांत्रिकी सहित सभी सेक्टर को शामिल किया गया है।

कोलकाता और विदेश यात्रा प्रस्तावित

डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के लिए उद्योगपतियों को आमंत्रित करने के उद्देश्य से वे सितंबर में कोलकाता में रोड-शो करेंगे। उन्होंने बताया कि आगामी 27-28 सितंबर को सागर और अक्टूबर में रीवा में भी इन्वेस्टर समिट होगी।

प्रदेश की बौद्धिक संपदा और क्षमता बढ़ाने में स्टार्टअप होंगे मददगार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आरआईसी ग्वालियर में उद्योगपतियों के साथ ग्वालियर एवं चंबल क्षेत्र में निवेश पर राउंड टेबिल मीटिंग की

ग्वालियर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उद्योगपतियों से राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में कहा कि मध्यप्रदेश अपार संभावनाओं का क्षेत्र है। यहां उद्योगों के लिए सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध हैं। आइये प्रदेश में निवेश कीजिए, प्रदेश आपका स्वागत करता है। आपके उद्योग लगाने में आपको हर प्रकार से सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। स्टार्टअप प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास प्रदेश के युवाओं के भविष्य को उज्ज्वल बनाने का है। स्टार्टअप हमारे लिए मददगार साबित होंगे और प्रदेश की बौद्धिक संपदा और क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

क्षेत्रीय भाषा का सहयोग प्राप्त

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार स्टार्टअप को भरपूर सहयोग प्रदान कर रही है। हम प्रदेश में आयुर्वेद को बढ़ाने के लिए भी योजना लाने वाले हैं। अभी तक प्रदेश में 5 इंस्टीट्यूट ऐसे हैं जो कि शासकीय हैं। हमारा संकल्प है कि इनकी संख्या 13 तक पहुंच जाये। वनांचल बेल्ट जो औषधियों से भरपूर क्षेत्र है जिसे सरकार पूरी तत्परता से प्रोत्साहित कर रही है एवं इसके विकास से प्रदेश की जनता को रोज़गार मिलेगा एवं वनवासियों की बौद्धिक संपदा और क्षेत्रीय भाषा का हमें सहयोग प्राप्त होगा। अनुसूचित जनजाति को मुख्य धारा में लाने के लिये यह जरूरी है कि वन औषधियों से संबंधित उद्योगों को बढ़ावा देने से उनको रोज़गार मिलेगा एवं औषधियों को उचित दाम मिले, इसका सरकार प्रयास करेगी।

मुख्यमंत्री ने लेदर एवं फुटवियर से संबंधित उद्यमियों से चर्चा करते हुए कहा कि हमें सिंथेटिक लेदर को बढ़ावा देना होगा। ग्वालियर एवं मुरैना में भी रोज़गारपरक लेदर इंडस्ट्रीज को बढ़ावा दिया जायेगा।

पीसीबी की राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में चर्चा हुई कि ईएसडीएम इंडस्ट्रीज को बढ़ावा दिया जाये एवं प्रदेश को इंटीग्रेटेड सर्किट, मैन्यूफैक्चरिंग एवं सेमीकंडक्टर में आत्मनिर्भर बनाया जाये। पीसीबी से संबंधित उद्योगों के लिए मध्यप्रदेश में सभी जरूरी संसाधन जैसे बिजली, पानी उपलब्ध हैं एवं ग्वालियर का दिल्ली के पास होना यहां इस उद्योग के विकास के लिये लाभकर सिद्ध होगा। राउंड टेबल बैठक का उद्देश्य ग्वालियर को उभरते स्टार्टअप हब के रूप में उजागर करना, सहयोग को बढ़ावा, शासकीय सहायता और निवेश रुचि उत्पन्न करना था।

रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव प्रदेश के आर्थिक विकास में मील के पत्थर सिद्ध होंगे

नई दिल्ली, सरकार गठन के बाद प्रदेश में औद्योगिक निवेश की रफ्तार को बढ़ाने के लिए संभाग स्तर पर रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव आयोजित करने का वृहद अभियान चालू किया गया है। मुख्यमंत्री ने यह विचार दिल्ली प्रवास के दौरान मीडियाकर्मियों से संवाद के दौरान व्यक्त किए। मुख्यमंत्री ने बताया कि गत दिवस ग्वालियर में आयोजित रीजनल कॉन्क्लेव में 8,500 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

उन्होंने बताया कि उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर में अब तक आयोजित किए गए विभिन्न रीजनल कॉन्क्लेव के साथ मुम्बई, बेंगलुरु और कोयम्बटूर में किये रोड शो के माध्यम से कुल 1,80,000 करोड़ रुपये के प्रस्ताव मिले हैं, जिससे लगभग डेढ़ लाख व्यक्तियों को रोज़गार मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि आगामी समय में सागर, रीवा और भोपाल में रीजनल कॉन्क्लेव और इसके बाद ग्लोबल समिट आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव प्रदेश के आर्थिक विकास में मील के पत्थर सिद्ध होंगे।

अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रदाय के साथ हों सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध - मुख्य सचिव

भोपाल, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने प्रदेश के अस्पतालों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ सुरक्षा प्रबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि सभी जिला अस्पतालों में सी.सी.टीवी कैमरे लगाए जाएं और नियमित सुरक्षा ऑडिट किया जाए। सी.सी.टीवी कैमरों से न केवल अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित कार्रवाई भी संभव हो सकेगी। उन्होंने निर्देश दिये कि सुरक्षा गार्डों को प्रशिक्षण दिया जाये ताकि वे आपातकालीन परिस्थितियों में सही ढंग से कार्य कर सकें। उन्होंने अस्पतालों में आने वाले अटेंडरों को पहचान पत्र जारी

करने के निर्देश दिये, ताकि अनधिकृत लोगों की आवाजाही पर रोक लग सके। मुख्य सचिव ने कलेक्टर, कमिश्नर और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को नियमित रूप से अस्पतालों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था के साथ लाइट व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय और अन्य बुनियादी सुविधाओं की जांच करने के लिए कहा। भोपाल स्थित मंत्रालय वल्लभ भवन में उच्चस्तरीय बैठक में विभिन्न विकास परियोजनाओं, जनहितकारी योजनाओं और स्वास्थ्य-सुरक्षा व्यवस्थाओं की मुख्य सचिव ने जिलेवार वर्चुअल समीक्षा की।

मुख्य सचिव श्रीमती राणा ने कहा कि पीएम जन-मन महाअभियान विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने का महत्वाकांक्षी प्रयास है। उन्होंने अभियान के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि पीएम जन-मन महाअभियान के निर्धारित लक्ष्यों को समय पर और गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए।

पीएमश्री स्कूलों से मिल रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

भोपाल, प्रदेश में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके, इस मकसद से विभिन्न योजनाओं के माध्यम से स्कूलों में दी जाने वाली सुविधाओं में लगातार वृद्धि किये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। राज्य में केन्द्र सरकार के सहयोग से पीएमश्री योजना में 416 पीएमश्री स्कूल संचालित किये जा रहे हैं। इन स्कूलों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विद्यार्थियों को दी जा रही है। इन स्कूलों में करीब 2 लाख 40 हजार से अधिक बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इन विद्यालयों को वर्ष 2023-24 में करीब 220 करोड़ रुपये का प्लान मंजूर हुआ है। केन्द्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा द्वितीय चरण में प्रदेश में 137 अतिरिक्त विद्यालयों का चयन किया गया है, जिसमें प्रदेश के 13 माध्यमिक स्कूल, 52 हाई स्कूल और 72 हायर सेकण्ड्री स्कूल शामिल हैं। इन शालाओं में करीब 92 हजार विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

इन विद्यालयों के एक लाख से ज्यादा छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण हो चुका है। सभी हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी में डिजिटल लाइब्रेरी, आईसीटी लेब एवं स्मार्ट क्लास की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके अतिरिक्त इन विद्यालयों की बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जा रहा है। अभी तक पीएमश्री स्कूलों के 180 प्राचार्य इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मेनेजमेंट (आईआईएम) इंदौर में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। प्रदेश में पीएमश्री स्कूल की वित्तीय व्यवस्था 60 प्रतिशत केन्द्र सरकार के माध्यम से और 40 प्रतिशत राज्य सरकार के माध्यम से की जा रही है। पीएमश्री स्कूल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विजन को ध्यान में रखकर शुरू किये गये हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश के शहडोल, गुना, झाबुआ, खंडवा, छतरपुर एवं पिपरिया में एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालीन समय में संपर्क करें

0755-2760006

प्रमुख आकर्षण

- कैंटियर की खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम

40, प्रशासनिक क्षेत्र, अटेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011

फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006

www.mpmadhyam.in

madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें प्रमुख बुक-डॉलों पर उपलब्ध

राजेश कुमार सिंह

देश के रक्षा सचिव बनेंगे

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी राजेश कुमार सिंह देश के नए रक्षा सचिव होंगे। केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी प्रदान की और उन्हें रक्षा मंत्रालय में ओएसडी के रूप में नियुक्त किया है। वह मौजूदा रक्षा सचिव अरमानी गिरधर की जगह लेंगे, जो 31 अक्टूबर, 2024 को अपने पद से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। राजेश कुमार सिंह वर्ष 1989 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। इससे पहले वह वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार विभाग में सचिव पद पर तैनात थे।

मिया ले रॉक्स

बधिर युवती बनी मिस दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका में बधिर (श्रवण बाधित) युवती मिया ले रॉक्स ने मिस दक्षिण अफ्रीका ब्यूटी पेजेंट का खिताब जीता है। यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह पहली बधिर युवती हैं। 28 वर्षीय मिया ले रॉक्स को एक वर्ष की आयु में बधिर होने का पता चला। उन्होंने सुनने के लिए कॉक्लीयर इम्प्लांट करवाया। उन्हें अपना पहला शब्द बोलने के लिए दो वर्ष तक स्पीच थेरेपी लेनी पड़ी। खिताब जीतने के बाद मिया ले रॉक्स ने कहा कि उम्मीद है कि मेरी जीत से लोगों को प्रेरणा मिलेगी।

जोशुआ ब्रेगमैन

अठारह हजार फीट ऊंची चोटी से स्कीइंग कर बनाया विश्व रिकॉर्ड

इंग्लैंड के स्कीयर जोशुआ ब्रेगमैन ने स्कीइंग में नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। जोशुआ ने 18 हजार 753 फीट ऊंची बर्फीली चोटी से स्कीइंग करते हुए छलांग लगाई और पैराशूट से नीचे उतरे। इस पर्वत चोटी का नाम मेरा पीक है, जो हिमालय पर्वत श्रंखला का हिस्सा है और नेपाल में स्थित है। इतनी ऊंची चोटी से स्कीइंग का यह नया विश्व रिकॉर्ड है। जोशुआ का यह विश्व रिकॉर्ड गिनीज बुक ऑफ विश्व रिकॉर्ड में दर्ज हो गया है।

सैयद रेफत अहमद

बांग्लादेश के मुख्य न्यायाधीश बने

बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ओबैदुल हसन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मुख्य न्यायाधीश हसन के साथ शीर्ष अदालत की अपीलीय डिवीजन के पांच न्यायाधीशों ने भी इस्तीफे दे दिए हैं। हसन की जगह सैयद रेफत अहमद बांग्लादेश के नए मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए गए हैं। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने न्यायाधीश सैयद रेफत अहमद को मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस भी शामिल हुए। न्यायाधीश अहमद ने वर्ष 1984 में वकालत शुरू की थी।

डेविड रश

एक दिन में बनाए 15 विश्व रिकॉर्ड

अमेरिका के डेविड रश ने एक दिन में 15 विश्व रिकॉर्ड बनाने का एक अनोखा विश्व रिकॉर्ड बनाया है। डेविड का यह कारनामा गिनीज बुक ऑफ विश्व रिकॉर्ड में दर्ज हो गया है। डेविड के नाम गिनीज बुक ऑफ विश्व रिकॉर्ड में अब तक 250 से ज्यादा विश्व रिकॉर्ड दर्ज हैं। उनका नाम सीरियल रिकॉर्ड ब्रेकर के रूप में दर्ज है। गिनीज बुक ऑफ विश्व रिकॉर्ड के अनुसार डेविड ने एक दिन में 15 नए विश्व रिकॉर्ड बनाए हैं, उनमें से कई रिकॉर्ड बेहद रोचक और अचंभित करने वाले हैं, जैसे एक मिनट में सेब को सबसे ज्यादा बार काटने, दीवार पर सबसे ज्यादा बास्केटबॉल पास करने और 30 सेकेंड में 20 टी-शर्ट पहनना आदि है।

डोडा गणेश

केन्या की क्रिकेट टीम के मुख्य कोच नियुक्त

केन्या क्रिकेट बोर्ड ने भारत के पूर्व ऑलराउंडर डोडा गणेश को केन्या की पुरुष क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। गणेश का कार्यकाल एक वर्ष का होगा। उनके कार्यकाल की शुरुआत सितंबर-2024 में आइसीसी डिवीजन-2 चैलेंज लीग से होगी। इस टूर्नामेंट में केन्या के अलावा पापुआ न्यू गिनी, कतर, डेनमार्क और जर्सी की टीमें हिस्सा लेंगी। इसके बाद केन्या अक्टूबर 2024 में आईसीसी टूर्वेटी-20 विश्वकप-2026 अफ्रीका क्वालिफायर में भाग लेगा। गणेश ने भारत के लिए चार टेस्ट और एक वन-डे अंतर्राष्ट्रीय मैच खेला है। गणेश को कोचिंग का लंबा अनुभव है, वह कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन अकादमी के कोच रह चुके हैं।

भारतीय थलसेना और वायुसेना ने

दुनिया के पहले पोर्टेबल अस्पताल का सफल पैरा ड्रॉप किया

भारतीय थलसेना और वायुसेना ने दुनिया के पहले पोर्टेबल अस्पताल का सफल पैरा ड्रॉप किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि भारत में बने पोर्टेबल अस्पताल को वायुसेना के सी-130 जे हरक्यूलिस विमान से 15 हजार फीट की ऊंचाई से गिराया गया। सेना की पैरा ब्रिगेड ने प्रिसिजन ड्रॉप इक्विपमेंट्स का इस्तेमाल कर इसे नीचे लाया और असेंबल किया। इस पोर्टेबल अस्पताल का नाम आरोग्य मैत्री हेल्थ क्यूब है। इस क्यूब को भारत हेल्थ इनिशिएटिव फॉर सहयोग हित एंड मैत्री प्रोजेक्ट के तहत तैयार किया गया है। यह दुनिया का पहला पोर्टेबल अस्पताल है। आरोग्य मैत्री हेल्थ क्यूब से युद्ध या आपात स्थिति में घायल जवानों का युद्धक्षेत्र में ही इलाज हो सकेगा।

नलिन प्रभात

जम्मू और कश्मीर पुलिस के विशेष महानिदेशक नियुक्त

केंद्र सरकार ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी नलिन प्रभात को जम्मू और कश्मीर पुलिस का विशेष महानिदेशक नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति 30 सितंबर, 2024 तक के लिए की गई है। 30 सितंबर को राज्य के डीजीपी रश्मि रंजन स्वैन की सेवानिवृत्ति के बाद वह पुलिस महानिदेशक का पदभार संभालेंगे। नलिन प्रभात वर्ष 1992 बैच के आंध्रप्रदेश कैडर के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी हैं। उनके पास आतंकवाद विरोधी अभियानों का व्यापक अनुभव है। वह राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के महानिदेशक एवं केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के अतिरिक्त महानिदेशक रह चुके हैं।

कमला हैरिस

डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनीं

अमेरिका में आगामी राष्ट्रपति चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रत्याशी चयन प्रक्रिया पूरी हो गई है। भारतीय मूल की कमला हैरिस ने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवारी औपचारिक रूप से स्वीकार कर ली है। पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में उनका मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप से होगा। कमला हैरिस राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन में उपराष्ट्रपति हैं। कमला ने कहा कि यदि वह अमेरिका की राष्ट्रपति बनी तो वह सुनिश्चित करेंगी कि अमेरिका के पास दुनिया का सबसे मजबूत और घातक लड़ाकू बल हो। कमला हरिस डेमोक्रेटिक पार्टी में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनने वाली दूसरी महिला हैं, उनसे पहले हिलेरी क्लिंटन भी राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बन चुकी हैं।

अनीश दयाल सिंह

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के महानिदेशक बने

केंद्र सरकार ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अनीश दयाल सिंह को आतंकवाद निरोधक कमांडो बल राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) का महानिदेशक नियुक्त किया है। अनीश दयाल अभी केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक हैं, उन्हें एनएसजी महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वह नलिन प्रभात की जगह लेंगे। अनीश दयाल वर्ष 1988 बैच के मणिपुर कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं और दिसम्बर, 2023 में सीआरपीएफ के महानिदेशक बने थे। इससे पहले वह भारत तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक भी रहे हैं।

शक्तिकांत दास

लगातार दूसरी बार चुने गए दुनिया के टॉप बैंकर

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास को अमेरिका स्थित ग्लोबल फाइनेंस पत्रिका ने लगातार दूसरे वर्ष वैश्विक स्तर पर शीर्ष केंद्रीय बैंकर का दर्जा दिया है। पत्रिका द्वारा जारी सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट-2024 में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास को दो अन्य बैंकरों के साथ 'ए प्लस' रेटिंग मिली है। दास के अलावा डेनमार्क के क्रिश्चियन केटेल थॉमसन और स्विट्जरलैंड के थॉमस जॉर्डन को भी 'ए प्लस' रेटिंग मिली है। यह रेटिंग मुद्रास्फीति नियंत्रण, आर्थिक विकास लक्ष्यों, मुद्रा स्थिरता और ब्याज दर प्रबंधन के आधार पर दी जाती है। शक्तिकांत दास को इस वर्ष जून में लंदन के सेंट्रल बैंकिंग अवॉर्ड्स में गवर्नर ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया था।

हॉकी इंडिया ने

पी.आर. श्रीजेश की जर्सी नंबर-16 की रिटायर

हॉकी इंडिया ने भारतीय हॉकी टीम के दिग्गज गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश को सम्मानित करते हुए उनकी जर्सी नंबर-16 को रिटायर कर दिया है। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक के बाद हॉकी से संन्यास ले लिया था। वह टोक्यो ओलंपिक-2020 और पेरिस ओलंपिक-2024 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य हैं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि श्रीजेश की 16 नंबर की जर्सी को सीनियर स्तर पर रिटायर किया गया है। यह जर्सी जूनियर टीम के पास रहेगी और जब श्रीजेश जैसा प्रतिभावान गोलकीपर तैयार होगा, उसे यह जर्सी दी जाएगी। भारत के लिए 336 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाले श्रीजेश की गिनती विश्व के महानतम गोलकीपरों में होती है।

आर. श्रीधर

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के सहायक कोच बने

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारत के पूर्व फील्डिंग कोच आर. श्रीधर को अपनी राष्ट्रीय टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है। वह न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली जाने वाली सीरीज में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होंगे। अफगानिस्तान को सितंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वन-डे मैचों की सीरीज खेलनी है। बोर्ड ने कहा कि भविष्य में श्रीधर को लंबा कॉन्ट्रेक्ट दिया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि श्रीधर वर्ष 2014 से 2021 तक भारतीय क्रिकेट टीम के फील्डिंग कोच रहे हैं।

स्मृति शेष

अग्नि मिसाइल के जनक डॉ. राम नारायण अग्रवाल का निधन

अग्नि मिसाइल के जनक और एयरोस्पेस वैज्ञानिक डॉ. राम नारायण अग्रवाल का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बताया कि डॉ. राम नारायण अग्रवाल ने देश में लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें अग्नि पुरुष के नाम से भी जाना जाता है। वह अग्नि मिसाइलों के पहले कार्यक्रम निदेशक थे। अग्नि इंटरकॉर्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम ने भारत को अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन और इज़राइल जैसे देशों के समूह में शामिल किया है।

प्रसिद्ध कजरी और लोकगीत गायिका अजीता श्रीवास्तव का निधन

प्रसिद्ध कजरी लोकगीत गायिका अजीता श्रीवास्तव का 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वह कुछ महीनों से लिवर संक्रमण से जूझ रही थीं। वाराणसी में जन्मीं अजीता ने प्रयाग संगीत समिति से संगीत प्रभाकर की शिक्षा ली थी। उन्होंने कजरी लोकगीतों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाया है। भारत सरकार ने कला एवं संगीत के क्षेत्र में उनके विशेष योगदान के लिए वर्ष 2022 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया था। इसके अलावा उन्हें वर्ष 2017 में उत्तरप्रदेश संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार भी मिला है।

पूर्व सेना प्रमुख जनरल सुंदरराजन पद्मनाभन का निधन

पूर्व भारतीय सेना प्रमुख जनरल सुंदरराजन पद्मनाभन का चेन्नई में निधन हो गया, वह 83 वर्ष के थे। वह 30 सितंबर, 2000 से 31 दिसम्बर, 2002 तक थलसेना प्रमुख रहे हैं। वर्ष 1959 में भारतीय सैन्य अकादमी से ग्रेजुएट होने के बाद उन्हें आर्टिलरी रेजिमेंट में कमीशन किया गया था। उनके कार्यकाल के दौरान सेना को कश्मीर में आतंकवादियों के सफाये में बड़ी सफलता मिली थी। सेना प्रमुख बनने से पहले वह सेना की दक्षिण कमान के जीओसी भी रहे थे। जनरल पद्मनाभन को अति विशिष्ट सेवा पदक और विशिष्ट सेवा पदक जैसे कई सम्मानों से सम्मानित किया गया था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कार्यालय नगर परिषद कुरावर जिला राजगढ़ (म.प्र.)

क्र./2437/न.प./2024 कुरावर, दिनांक : 21.08.2024

सामान्य प्रशासन एवं स्थापना शाखा
दिव्यांगजनों के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन

माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर की रिट याचिका क्रमांक 7275/2019 में पारित आदेश दिनांक 30.01.2024, म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-19/2019/आ.प्र./1 दिनांक 14.02.2024, म.प्र. शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के पत्र क्रमांक/676/16017123/2023/18-1 दिनांक 16.02.2023, संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, म.प्र., भोपाल के पत्र क्रमांक/स्था/एक/201/प्र.शि./2024/3780 भोपाल दिनांक 26.02.2024 तथा मध्यप्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन, के पत्र क्रमांक एफ 8-2/2013/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 04.01.2024 एवं अन्य पत्रों में दिये गये निर्देशानुसार विशेष भर्ती अभियान के तहत दिव्यांगजनों के लिए 01 (एक) पद नाम - सफाई संरक्षक (संविदा) के आरक्षित पद/पदों की पूर्ति वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से की जाना है। इस हेतु निर्धारित योग्यता एवं अर्हता रखने वाले अभ्यर्थी नीचे दर्शाये गये निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र भर कर **दिनांक 11.09.2024** कार्यालयीन समय 05 बजे तक आवेदन-पत्र प्रेषित करें। निर्धारित समयावधि में आवेदन पत्र प्राप्त न होने की स्थिति में उन पर विचार नहीं किया जायेगा। डाक के माध्यम से विलंब से प्राप्त आवेदन पत्र के लिए निकाय/कार्यालय उत्तरदायी नहीं होगा। दिव्यांगजनों हेतु आरक्षित रिक्त पदों का विवरण, वेतनमान, निर्धारित योग्यता एवं वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए निर्धारित तिथि की जानकारी निम्नानुसार है:-

सरल क्र.	पद का नाम	पद की श्रेणी	वेतनमान	दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित वर्गवार रिक्तियां				निर्धारित योग्यता	वॉक-इन-इंटरव्यू हेतु निर्धारित तिथि
				दृष्टि बाधित और कम दृष्टि	बहरे और कम सुनने वाले	लोकोमोटर डिसेबिलिटी जिसमें सम्मिलित है, सेरेब्रल पाल्सी, कुष्ठ रोग मुक्त, बौनापन, एसिड अटैक पीड़ित, मस्कुलर डिस्ट्राफी	ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता, स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहु विकलांगता		
1.	सफाई संरक्षक (संविदा)	चतुर्थ श्रेणी	8000 या बिला कलेक्टर दर अनुसार	01	0	0	0	5वीं कक्षा उत्तीर्ण	पात्र अभ्यर्थियों को वॉक-इन-इंटरव्यू की तिथि एवं समय की सूचना उनके ई-मेल आई.डी पर पृथक से दी जावेगी।

मुख्य शर्तें:-

1. आवेदक को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है।
2. समस्त प्रमाण-पत्रों को सक्षम अधिकारी अथवा स्वयं सत्यापित करने के उपरांत प्रमाण पत्रों की प्रति संलग्न प्रेषित की जावें।
3. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय के परिपत्र क्रमांक सी 3-38/16/1/3 भोपाल, दिनांक 04 जुलाई 2019 अनुसार अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष, आरक्षित वर्ग- अनु.जा., अनु.जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, शासकीय/निगम/मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारियों/नगर सैनिक/नि:शक्तजन/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित) आदि के लिए 18 से 45 (अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट) होगी।
4. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश क्रमांक सी-3-8/2016/3-एक भोपाल दिनांक 12 मई 2017 एवं परिपत्र क्रमांक सी 3-38/16/1/3 भोपाल, दिनांक 04 जुलाई 2019 के अनुसार आवेदक का मध्यप्रदेश राज्य के रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।
5. आवेदक को वॉक-इन-इंटरव्यू/साक्षात्कार के समय सभी प्रमाण पत्रों की मूल प्रति साथ लाना अनिवार्य है।
6. नि:शक्तता का डिजिटल प्रमाण-पत्र संबंधित जिले के शासकीय जिला चिकित्सालय के मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी किया गया ही मान्य होगा। दिव्यांग डिजिटल प्रमाण-पत्र की अनिवार्यता दिनांक 01.06.2021 से लागू से की अत: उक्त तिथि से पूर्व जारी मेन्यूअल दिव्यांग प्रमाण-पत्र ही मान्य होंगे।
7. डिजिटल जाति मूल निवासी प्रमाण-पत्र/जाति प्रमाण-पत्र एवं सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया ही मान्य होगा।
8. वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए आने वाले आवेदकों को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।
9. अधूरे, अस्पष्ट एवं अपठनीय आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।
10. भर्ती से संबंधित जानकारी, शर्तें एवं आवेदन का प्रारूप कार्यालयीन समय में नगर परिषद कुरावर से प्राप्त की जा सकती है।
11. यह कि जिस आवेदक का विवाह निर्धारित न्यूनतम आयु (पुरुष वर्ग के लिए 21 वर्ष एवं महिला वर्ग के लिए 18 वर्ष) के पूर्व हो गया हो उसे उक्त पदों के लिए अयोग्य माना जायेगा।
12. यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं आवेदक की होगी कि वह आवेदित पद के लिये निर्धारित समस्त अर्हताओं और शर्तों को आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि पूर्ण करता है।
13. आवेदन-पत्र में कोई जानकारी अपूर्ण, असत्य या त्रुटिपूर्ण पायी जाती है अथवा वांछित प्रमाण-पत्र संलग्न नहीं किया जाता है, तो उसके आधार पर आवेदक को पूर्व सूचना दिये बिना उसका आवेदन पत्र किसी भी स्तर पर निरस्त किया जा सकता है।
14. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र दिनांक 30.06.2014 के अनुसार वर्गवार आरक्षण न करते हुए दिव्यांगजनों की श्रेणी के आधार पर आरक्षण दिये जाने से विशेष पिछड़ी जनजातियों (सहारिया/सहरिया, भारिया एवं बैगा) महिलाओं एवं भूतपूर्व सैनिक श्रेणी के आवेदकों को पृथक से आरक्षण का लाभ प्राप्त नहीं होगा।
15. ऐसे समस्त आवेदन पत्र जो अपूर्ण हैं एवं विहित प्रारूप में नहीं हैं वे निरस्त कर दिये जायेंगे। अभिलेखों को कूटरचित किया हो या ऐसे अभिलेख प्रस्तुत किये गये हों जो रूपान्तरित किये गये हों वे भी निरस्त कर दिए जाएंगे। साथ ही ऐसे विवरण दिये गए हों, जिसमें ऐसी तात्विक जानकारी छिपाई गई हो, जो चयन के लिए आवश्यक हो, तो ऐसे आवेदन पत्र भी निरस्त कर दिए जाएंगे।
16. दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों के विरुद्ध चयनित होने वाले अभ्यर्थियों का उनके लिये जिला स्तर पर गठित मेडिकल बोर्ड से मेडिकल परीक्षण कराकर यह सुनिश्चित होने के पश्चात ही कि वे वास्तव में विकलांग है यह जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रमाणित किये जाने के उपरांत ही नियुक्ति आदेश जारी किये जायेंगे।
17. यह कि दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों के विरुद्ध चयनित होने वाले अभ्यर्थियों के नि:शक्तता का प्रतिशत 40 प्रतिशत या अधिक पाए जाने पर ही कार्यभार ग्रहण कराया जाएगा।
18. शासन के आदेश के अनुसार, कोई भी अभ्यर्थी जिसके 02 से अधिक जीवित सन्तानें हैं, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात् हुआ है तो ऐसा अभ्यर्थी नियुक्त हेतु पात्र नहीं होगा, लेकिन यदि एक बच्चा जीवित है और बाद के प्रसव में दो या अधिक सन्तानें जन्म लेती हैं तो उसे अयोग्य नहीं माना जावेगा।
19. दिव्यांजनों हेतु चिह्नांकित संविदा के पदों पर भर्ती संबंधी कार्यवाही मध्यप्रदेश नगरपालिका संविदा (अनुबंध तथा सेवा की शर्तें) सेवा, नियम 2021 में विहित प्रावधानुसार की जावेंगी।
20. नियुक्ति से संबंधित सभी अधिकार मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद कुरावर के पास सुरक्षित होंगे।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद कुरावर

R-49988/2024

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 7322/41/2023/चयन इंदौर, दिनांक : 29.08.2024

पदनाम - व्याख्याता, प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग
चयन - सूची (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 16/2023 दिनांक 27.06.2023 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में म.प्र. शासन, आयुष विभाग के अंतर्गत विज्ञापित पद - व्याख्याता, प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग के **कुल - 03 पद** (अनारक्षित - निरंक अ.जा. - 01, अ.ज.जा. - 01, अ.पि. वर्ग - 01, ई.डब्ल्यू.एस. - निरंक) विज्ञापित किए गए है। उक्त पदों की पूर्ति के लिए अर्ह आवेदकों के **साक्षात्कार दिनांक 22 अगस्त, 2024** को आयोजित किए गए।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चूंकि उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या 01 होने के कारण इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता नहीं है। अतएव चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या 01 होने के कारण प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव साक्षात्कार में प्राप्तांकों के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पर्दो (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

व्याख्याता, प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग (म.प्र. शासन, आयुष विभाग)
पद विवरण तालिका (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	0	1	1	1	0	3

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग		Seat	श्रेणी
1	14514	REKHA SOLANKI	F		ST	ST
2	14507	MANJU CHOUKSEY	F		OBC	OBC
3	14511	VARSHA RANI SHAKYA	F	प्रावधिक	SC	SC

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग		श्रेणी
1	14505	PRIYANKA TEVA	F		OBC
2	14503	RASHMI GAUR	F	दृ.बा.	ST

टीप:-

1. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
2. घोषित चयन परिणाम मा. उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 25181/2019 एवं डब्ल्यू.पी. 5901/2019 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।

सचिव
जी-15561/50002/2024 म.प्र. लोक सेवा आयोग, इंदौर

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन, प्लाट नं. - 27-28
अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं. - 09/2024/निविदा/सा/मु.अ.भ./ भोपाल, दिनांक : 20.08.2024

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. केन्द्रीय जेल भोपाल में सेक्टवाल के निर्माण कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमा. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2024_PWPIU_364936_1	भोपाल	166.68	166680	12500	12 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. भोपाल जिले के अंतर्गत संविदाकार द्वारा छोड़े गये कार्य, शेष कार्य, पी.जी. अंतर्गत शेष कार्य एवं लघु मूल कार्य।

2024_PWPIU_364950_1	भोपाल	100.00	100000	12500	12 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. लोक निर्माण विभाग (भवन) जिला भोपाल में विभिन्न विभागों के भवन कार्यों हेतु सुपरविजन एवं क्वालिटी कंट्रोल सर्विसेस कार्य।

2024_PWPIU_364986_1	भोपाल	7718.00	154360	12500	12 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. कलेक्टर कार्यालय भोपाल में सुगम्य भारत योजना अंतर्गत बाधारहित वातावरण उपलब्ध कराने का अतिरिक्त कार्य।

2024_PWPIU_365627_1	भोपाल	123.59	123590	12500	12 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 5. लोक निर्माण विभाग, भवन शाजापुर के विभिन्न विभागों के भवन निर्माण कार्य हेतु डी.पी. आर. कंसल्टेंसी सर्विसेस कार्य।

2024_PWPIU_364805_1	शाजापुर	10000	200000	15000	12 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 20.08.2024 समय 10.30 से दिनांक 04.09.2024 समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता (भवन)
जी-15460/49989/2024 लोक निर्माण विभाग भोपाल

कार्यालय नगर पालिका परिषद सीहोर, जिला सीहोर (म.प्र.)

क्र./3703/सा.प./स्था. शाखा/2024 सीहोर, दिनांक : 22.08.2024

विज्ञापन

माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर की रिट याचिका क्रमांक 7275/2019 में पारित आदेश दिनांक 30.01.2024, म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-19/2019/आ.प्र./1 दिनांक 14.02.2024, म.प्र. शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के पत्र क्रमांक/676/16017123/2023/18-1 दिनांक 16.02.2023, संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, म.प्र., भोपाल के पत्र क्रमांक/स्था/एक/201/प्र.शि./2024/3780 भोपाल दिनांक 26.02.2024 तथा मध्यप्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन, के पत्र क्रमांक एफ 8-2/2013/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 04.01.2024 एवं अन्य पत्रों में दिये गये निर्देशानुसार विशेष भर्ती अभियान के तहत दिव्यांगजनों के लिए चिह्नांकित निम्नानुसार पद हेतु आरक्षित पदों की पूर्ति वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से की जाना है। इस हेतु निर्धारित योग्यता एवं अर्हता रखने वाले अभ्यर्थी नीचे दर्शाये गये निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र भर कर **दिनांक 10.09.2024** कार्यालयीन समय 05.30 सायंकाल तक आवेदन-पत्र प्रेषित करें। निर्धारित समयावधि में आवेदन पत्र प्राप्त न होने की स्थिति में उन पर विचार नहीं किया जायेगा। डाक के माध्यम से विलंब से प्राप्त आवेदन पत्र के लिए निकाय/कार्यालय उत्तरदायी नहीं होगा। दिव्यांगजनों हेतु आरक्षित रिक्त पदों का विवरण, वेतनमान, निर्धारित योग्यता एवं वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए निर्धारित तिथि की जानकारी निम्नानुसार है:-

सरल क्र.	पद का नाम	पद की श्रेणी	वेतनमान	दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित वर्गवार रिक्तियां				निर्धारित योग्यता	वॉक-इन-इंटरव्यू हेतु निर्धारित तिथि
				दृष्टि बाधित और कम दृष्टि	बहरे और कम सुनने वाले	लोकोमोटर डिसेबिलिटी जिसमें सम्मिलित है, सेरेब्रल पाल्सी, कुष्ठ रोग मुक्त, बौनापन, एसिड अटैक पीड़ित, मस्कुलर डिस्ट्राफी	ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता, स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहु विकलांगता		
1.	सफाई संरक्षक (संविदा)	चतुर्थ	8000 या कलेक्टर द्वारा निर्धारित दर देय होगा।	03	02	02	02	पांचवीं कक्षा उत्तीर्ण	पात्र अभ्यर्थियों को वॉक-इन-इंटरव्यू की तिथि एवं समय की सूचना उनके ई-मेल आई.डी. पर पृथक से दी जावेगी।

मुख्य शर्तें:-

1. आवेदक को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है।
2. समस्त प्रमाण-पत्रों को सक्षम अधिकारी अथवा स्वयं सत्यापित करने के उपरांत प्रमाण पत्रों की प्रति संलग्न प्रेषित की जावें।
3. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय के परिपत्र क्रमांक सी 3-38/16/1/3 भोपाल, दिनांक 04 जुलाई 2019 अनुसार अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष, आरक्षित वर्ग- अनु.जा., अनु.जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, शासकीय/निगम/मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारियों/नगर सैनिक/नि:शक्तजन/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित) आदि के लिए 18 से 45 (अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट) होगी।
4. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश क्रमांक सी-3-8/2016/3-एक भोपाल दिनांक 12 मई 2017 एवं परिपत्र क्रमांक सी 3-38/16/1/3 भोपाल, दिनांक 04 जुलाई 2019 के अनुसार आवेदक का मध्यप्रदेश राज्य के रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।
5. आवेदक को वॉक-इन-इंटरव्यू/साक्षात्कार के समय सभी प्रमाण पत्रों की मूल प्रति साथ लाना अनिवार्य है।
6. नि:शक्तता का डिजिटल प्रमाण-पत्र संबंधित जिले के शासकीय जिला चिकित्सालय के मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी किया गया ही मान्य होगा एवं दिव्यांगता के डिजिटल प्रमाण-पत्र की अनिवार्यता दिनांक 01.06.2021 से लागू की गई है अतः उक्त तिथि से पूर्व जारी मेन्युअल दिव्यांगता प्रमाण-पत्र ही मान्य होंगे।
7. डिजिटल जाति मूल निवासी प्रमाण-पत्र/जाति प्रमाण-पत्र एवं सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया ही मान्य होगा।
8. वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए आने वाले आवेदकों को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।
9. अधूरे, अस्पष्ट एवं अपठनीय आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।
10. भर्ती से संबंधित जानकारी, एवं शर्तें कार्यालयीन समय में निकाय से प्राप्त की जा सकती है।
11. यह कि जिस आवेदक का विवाह निर्धारित न्यूनतम आयु (पुरुष वर्ग के लिए 21 वर्ष एवं महिला वर्ग के लिए 18 वर्ष) के पूर्व हो गया हो उसे उक्त पदों के लिए अयोग्य माना जायेगा।
12. यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं आवेदक की होगी कि वह आवेदित पद के लिये निर्धारित समस्त अर्हताओं और शर्तों को आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि पूर्ण करता है।
13. आवेदन-पत्र में कोई जानकारी अपूर्ण, असत्य या त्रुटिपूर्ण पायी जाती है अथवा वांछित प्रमाण-पत्र संलग्न नहीं किया जाता है, तो उसके आधार पर आवेदक को पूर्व सूचना दिये बिना उसका आवेदन पत्र किसी भी स्तर पर निरस्त किया जा सकता है।
14. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र दिनांक 30.06.2014 के अनुसार वर्गवार आरक्षण न करते हुए दिव्यांगजनों की श्रेणी के आधार पर आरक्षण किये जाने से विशेष पिछड़ी जनजातियों (सहारिया/सहरिया, भारिया एवं बैगा) महिलाओं एवं भूतपूर्व सैनिक श्रेणी के आवेदकों को पृथक से आरक्षण का लाभ प्राप्त नहीं होगा।
15. ऐसे समस्त आवेदन पत्र जो अपूर्ण हैं एवं विहित प्रारूप में नहीं हैं वे निरस्त कर दिये जायेंगे। अभिलेखों को कूटरचित किया हो या ऐसे अभिलेख प्रस्तुत किये गये हों जो रूपान्तरित किये गये हों वे भी निरस्त कर दिए जाएंगे। साथ ही ऐसे विवरण दिये गए हों, जिसमें ऐसी तात्विक जानकारी छिपाई गई हो, जो चयन के लिए आवश्यक हो, तो ऐसे आवेदन पत्र भी निरस्त कर दिए जाएंगे।
16. दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों के विरुद्ध चयनित होने वाले अभ्यर्थियों का उनके लिये जिला स्तर पर गठित मेडिकल बोर्ड से मेडिकल परीक्षण कराकर यह सुनिश्चित होने के पश्चात ही कि वे वास्तव में विकलांग है यह जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रमाणित किये जाने के उपरांत ही नियुक्ति आदेश जारी किये जायेंगे।
17. यह कि दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों के विरुद्ध चयनित होने वाले अभ्यर्थियों के नि:शक्तता का प्रतिशत 40 प्रतिशत या अधिक पाए जाने पर ही कार्यभार ग्रहण कराया जाएगा।
18. शासन के आदेश के अनुसार, कोई भी अभ्यर्थी जिसके 02 से अधिक जीवित सन्तानें हैं, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात् हुआ है तो ऐसा अभ्यर्थी नियुक्त हेतु पात्र नहीं होगा, लेकिन यदि एक बच्चा जीवित है और बाद के प्रसव में दो या अधिक सन्तानें जन्म लेती हैं तो उसे अयोग्य नहीं माना जावेगा।
19. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी, 3-13/2019/3/एक भोपाल, दिनांक 12 दिसंबर 2019 के अनुसार सीधी भर्ती के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर चयन होने पर अभ्यर्थी 03 वर्ष की परीवीक्षा अवधि पर नियुक्त होगा। परीवीक्षा अवधि में अभ्यर्थी को प्रथम वर्ष 70 प्रतिशत, द्वितीय वर्ष 80 प्रतिशत एवं तृतीय वर्ष 90 प्रतिशत राशि स्टायपेंड के रूप में दी जायेगी।
20. दिव्यांजनों हेतु चिह्नांकित संविदा के पदों पर भर्ती संबंधी कार्यवाही मध्यप्रदेश नगरपालिका संविदा (अनुबंध तथा सेवा की शर्तें) सेवा, नियम 2021 में विहित प्रावधानुसार की जावेंगी।
20. नियुक्ति से संबंधित सभी अधिकार नियुक्ति प्राधिकारी के पास सुरक्षित होंगे।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सीहोर

आवेदन का प्रारूप

स्व-प्रमाणित पासपोर्ट साइज का फोटो चस्पा करें

प्रति,
कार्यालय का नाम/पूरा पता/टेलिफोन नम्बर

1. आवेदक/आवेदिका का पूरा नाम ....
2. आवेदक/आवेदिका के पिता/पति का नाम ....
3. आवेदक/आवेदिका की माता का नाम ....
4. आवेदक/आवेदिका की जन्मतिथि (जन्म प्रमाण पत्र/हाईस्कूल की अंकसूची अनुसार) वर्ष .... माह.................................दिन...................
5. दिनांक ....को आयु वर्ष ....माह ....दिन.................
6. आवेदक/आवेदिका का लिंग (पुरुष/महिला/अन्य) ....
7. नि:शक्तता का डिजिटल प्रमाण पत्र संबंधित जिले के शासकीय जिला चिकित्सालय के मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी (हां/नहीं) ....
8. दिव्यांगता की श्रेणी एवं दिव्यांगता का प्रतिशत ....

कार्यालय नगर पालिका परिषद बीना, जिला सागर (म.प्र.)

क्र./1194/न.प./स्था./2024 बीना, दिनांक : 27.08.2024

विज्ञापन

माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर की रिट याचिका क्रमांक 7275/2019 में पारित आदेश दिनांक 30.01.2024, म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-19/2019/आ.प्र./1 दिनांक 14.02.2024, म.प्र. शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के पत्र क्रमांक/676/16017123/2023/18-1 दिनांक 16.02.2023, संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, म.प्र., भोपाल के पत्र क्रमांक/स्था/एक/201/प्र.शि./2024/3780 भोपाल दिनांक 26.02.2024 तथा मध्यप्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन, के पत्र क्रमांक एफ 8-2/2013/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 04.01.2024 एवं अन्य पत्रों में दिये गये निर्देशानुसार विशेष भर्ती अभियान के तहत दिव्यांगजनों के लिए कुल 05 पद का नाम - संविदा सफाई संरक्षक के आरक्षित पद/पदों की पूर्ति वॉक-इन-इंटरव्यू (मेरिट) के माध्यम से की जाना है। इस हेतु निर्धारित योग्यता एवं अर्हता रखने वाले अभ्यर्थी नीचे दर्शाये गये निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र भर कर **दिनांक 28.08.2024 से दिनांक 12.09.2024 तक** कार्यालयीन समय 5.30 सायंकाल तक आवेदन-पत्र स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक/पब्लिक कोरियर से प्रेषित करें। निर्धारित समयावधि में आवेदन पत्र प्राप्त न होने की स्थिति में उन पर विचार नहीं किया जायेगा। डाक के माध्यम से विलंब से प्राप्त आवेदन पत्र के लिए निकाय/कार्यालय उत्तरदायी नहीं होगा। दिव्यांगजनों हेतु आरक्षित रिक्त पदों का विवरण, वेतनमान, निर्धारित योग्यता एवं वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए निर्धारित तिथि की जानकारी निम्नानुसार है:-

क्र.	पद का नाम	पद की श्रेणी	संविदा मानदेय	दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित वर्गवार रिक्तियां				निर्धारित योग्यता	वॉक-इन-इंटरव्यू हेतु निर्धारित तिथि (मेरिट सूची अनुसार)
				दृष्टि बाधित और कम दृष्टि	बहरे और कम सुनने वाले	लोकोमोटर डिसेबिलिटी जिसमें सम्मिलित है, सेरेब्रल पाल्सी, कुष्ठ रोग मुक्त, बौनापन, एसिड अटैक पीड़ित, मस्कुलर डिस्ट्राफी	ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता, स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहु विकलांगता		
1.	सफाई संरक्षक	(संविदा)	8000 मासिक	01	02	01	01	पांचवीं पास	08.10.2024

मुख्य शर्तें:-

1. आवेदक को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है। 2. समस्त प्रमाण-पत्रों को सक्षम अधिकारी अथवा स्वयं सत्यापित करने उपरांत प्रमाण पत्रों की प्रति संलग्न प्रेषित की जावें। 3. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय के परिपत्र क्रमांक सी 3-38/16/1/3 भोपाल, दिनांक 04 जुलाई 2019 अनुसार अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष, आरक्षित वर्ग- अनु.जा., अनु.जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, शासकीय/निगम/मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारियों/नगर सैनिक/नि:शक्तजन/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित) आदि के लिए 18 से 45 (अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट) होगी।

4. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश क्रमांक सी-3-8/2016/3-एक भोपाल दिनांक 12 मई 2017 एवं परिपत्र क्रमांक सी 3-38/16/1/3 भोपाल, दिनांक 04 जुलाई 2019 के अनुसार आवेदक का मध्यप्रदेश राज्य के रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है। 5. आवेदक को वॉक-इन-इंटरव्यू/साक्षात्कार के समय सभी प्रमाण पत्रों की मूल प्रति साथ लाना अनिवार्य है। 6. नि:शक्तता का डिजिटल प्रमाण-पत्र संबंधित जिले के शासकीय जिला चिकित्सालय के मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी किया गया ही मान्य होगा। 7. डिजिटल जाति मूल निवासी प्रमाण-पत्र/जाति प्रमाण-पत्र एवं सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया ही मान्य होगा। 8. वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए आने वाले आवेदकों को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। 9. अधूरे, अस्पष्ट एवं अपठनीय आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा। 10. भर्ती से संबंधित जानकारी एवं शर्तें कार्यालयीन समय में निगम/निकाय से प्राप्त की जा सकती हैं। 11. यह कि जिस आवेदक का विवाह निर्धारित न्यूनतम आयु (पुरुष वर्ग के लिए 21 वर्ष एवं महिला वर्ग के लिए 18 वर्ष) के पूर्व हो गया हो उसे उक्त पदों के लिए अयोग्य माना जायेगा।

12. यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं आवेदक की होगी कि वह आवेदित पद के लिये निर्धारित समस्त अर्हताओं और शर्तों को आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि पूर्ण करता है। 13. आवेदन-पत्र में कोई जानकारी अपूर्ण, असत्य या त्रुटिपूर्ण पायी जाती है अथवा वांछित प्रमाण-पत्र संलग्न नहीं किया जाता है, तो उसके आधार पर आवेदक को पूर्व सूचना दिये बिना उसका आवेदन पत्र किसी भी स्तर पर निरस्त किया जा सकता है।

14. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र दिनांक 30.06.2014 के दर्शाये अनुसार वर्गवार आरक्षण न करते हुए दिव्यांगजनों की श्रेणी के आधार पर आरक्षण दिये जाने से विशेष पिछड़ी जनजातियों (सहारिया/सहरिया, भारिया एवं बैगा) महिलाओं एवं भूतपूर्व सैनिक श्रेणी के आवेदकों को पृथक से आरक्षण का लाभ प्राप्त नहीं होगा।

15. ऐसे समस्त आवेदन पत्र जो अपूर्ण हैं एवं विहित प्रारूप में नहीं हैं वे निरस्त कर दिये जायेंगे। अभिलेखों को कूटरचित किया हो या ऐसे अभिलेख प्रस्तुत किये गये हों जो रूपान्तरित किये गये हों वे भी निरस्त कर दिए जाएंगे। साथ ही ऐसे विवरण दिये गए हों, जिसमें ऐसी तात्विक जानकारी छिपाई गई हो, जो चयन के लिए आवश्यक हो, तो ऐसे आवेदन पत्र भी निरस्त कर दिए जाएंगे। 16. दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों के विरुद्ध चयनित होने वाले अभ्यर्थियों का उनके लिये जिला स्तर पर गठित मेडिकल बोर्ड से मेडिकल परीक्षण कराकर यह सुनिश्चित होने के पश्चात ही कि वे वास्तव में विकलांग हैं यह जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रमाणित किये जाने के उपरांत ही नियुक्ति आदेश जारी किये जायेंगे।

17. यह कि दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों के विरुद्ध चयनित होने वाले अभ्यर्थियों के नि:शक्तता का प्रतिशत 40 प्रतिशत या अधिक पाए जाने पर ही कार्यभार ग्रहण कराया जाएगा। 18. शासन के आदेश के अनुसार, कोई भी अभ्यर्थी जिसके 02 से अधिक जीवित सन्तानें हैं, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात् हुआ है तो ऐसा अभ्यर्थी नियुक्त हेतु पात्र नहीं होगा, लेकिन यदि एक बच्चा जीवित है और बाद के प्रसव में दो या अधिक सन्तानें जन्म लेती हैं तो उसे अयोग्य नहीं माना जावेगा। 19. दिव्यांजनों हेतु चिह्नांकित संविदा के पदों पर भर्ती संबंधी कार्यवाही मध्यप्रदेश नगरपालिका संविदा (अनुबंध तथा सेवा की शर्तें) सेवा, नियम 2021 में विहित प्रावधानुसार की जावेंगी। 20. नियुक्ति से संबंधित सभी अधिकार नियुक्ती प्राधिकारी के पास सुरक्षित होंगे।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बीना जिला सागर (म.प्र.)

R-49992/2024

9. आवेदक/आवेदिका की जाति ....
10. आवेदक/आवेदिका का यदि विवाहित हो तो विवाह के प्रमाण-पत्र अनुसार विवाह की दिनांक ....
11. जीवित संतानों का विवरण ....
12. वर्तमान पता/पिन कोड ....
13. स्थाई पता/पिन कोड ....
14. पत्राचार का पता/पिन कोड ....
15. रोज़गार कार्यालय का जीवित पंजीयन क्रमांक एवं रोज़गार कार्यालय का नाम ....
16. संविदा पद हेतु अनुभव का विवरण ....
17. शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यताएं (प्रमाण-पत्रों की स्व-प्रमाणित छायाप्रतियां संलग्न करें)

क्र.	परीक्षा का नाम	संस्था बोर्ड/विश्वविद्यालय का नाम	विषय	कुल अंक	प्राप्त अंक	प्रतिशत	श्रेणी

18. अनुभव यदि हो तो उसका विवरण ....
19. अतिरिक्त विशेष योग्यता यदि हो तो उसका विवरण ....
20. ई-मेल आई.डी. ....
21. मोबाइल नंबर 1. .... 2. ....

आवेदक के हस्ताक्षर एवं पूरा पता
....

घोषणा-पत्र

"मैं घोषणा करता हूं/करती हूं कि उपरोक्त सभी जानकारी जो मेरे द्वारा दी गई है। यह मेरे विवेक एवं ज्ञान से पूर्णतः सत्य है। कोई भी जानकारी असत्य पाई जाने पर मेरा आवेदन निरस्त किया जावें।"

आर-49990/2024 **आवेदक के हस्ताक्षर**

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी

पद का नाम- निदेशक
पदों की संख्या - 01
योग्यता- किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग / एयरोस्पेस इंजीनियरिंग / एयरोनॉटिक्स / एवियोनिक्स इंजीनियरिंग / एयरक्राफ्ट इंजीनियरिंग में स्नातक
अंतिम तिथि- 10 सितंबर 2024
वेबसाइट - https://www.civilaviation.gov.in/

मूल कोशिका विज्ञान एवं पुनर्योजी औषधि संस्थान (आईब्रिक- इन्स्टेम)

पद का नाम - प्रशासनिक अधिकारी, लिपिक
पदों की संख्या - 04
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 10 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://www.instem.res.in/jobportal/

चैन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड

पद का नाम - ज्वाइंट जनरल मैनेजर (जेजीएम), डेप्यूटी जनरल मैनेजर (डीजीएम)
पदों की संख्या - 02
योग्यता - शासकीय मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर में स्नातक
अंतिम तिथि - 06 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://chennaimetrorail.org/

सी.एस.आई.आर. - राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान

पद का नाम - कनिष्ठ आशुलिपिक, कनिष्ठ सचिवालय सहायक (वित्त एवं लेखा), कनिष्ठ सचिवालय सहायक (भंडार एवं क्रय)
पदों की संख्या - 09
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 19 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://www.nio.res.in/

न्यूक्लियर पॉवर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - श्रेणी-I। वृत्तिकाग्राही प्रशिक्षु (एसटी/टीएन) प्रचालक, श्रेणी-II वृत्तिकाग्राही प्रशिक्षु (एसटी/टीएन) अनुरक्षक
पदों की संख्या - 267
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 11 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://npcilcareers.co.in/

असम विश्वविद्यालय

पद का नाम - वित्त अधिकारी, निदेशक सीडीसी, इंटर्नल लेखा परीक्षा अधिकारी, एलडीसी, एमटीएस, प्रयोगशाला अटेंडेंट, हिंदी अनुवादक
पदों की संख्या - 21
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 07 सितम्बर 2024
वेबसाइट - http://www.aus.ac.in/

पावरग्रिड

पद का नाम - अधिकारी प्रशिक्षु (विधि)
पदों की संख्या - 09
योग्यता - न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ पूर्णकालिक तीन वर्षीय एलएलबी या पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड लॉ/एलएलबी कोर्स
अंतिम तिथि - 15 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://www.powergrid.in/

राष्ट्रीय परीक्षण शाला

पद का नाम - वरिष्ठ युवा पेशेवर (तकनीकी- खाद्य विश्लेषक), वरिष्ठ युवा पेशेवर (तकनीकी-परियोजना प्रबंधक), कनिष्ठ युवा पेशेवर (तकनीकी), कनिष्ठ युवा पेशेवर (प्रबंधन)
पदों की संख्या - 06
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 07 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://nth.gov.in/

गेल (इंडिया) लिमिटेड

पद का नाम - वरिष्ठ अधीक्षक (हिन्दी), वरिष्ठ लेखाकार, वरिष्ठ अधीक्षक (मानव संसाधन), वरिष्ठ केमिस्ट, फोरमैन (इलेक्ट्रिकल), फोरमैन (इंस्ट्रूमेंटेशन), फोरमैन (मैकेनिकल)
पदों की संख्या - 09
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 13 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://www.gailonline.com/careers/

ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - उप कंपनी सचिव
पदों की संख्या - 01
योग्यता - कला/विज्ञान/वाणिज्य में डिग्री। साथ ही न्यूनतम 03 वर्ष के अनुभव के साथ भारतीय कंपनी सचिव संस्थान की सदस्यता
अंतिम तिथि - 07 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://www.becil.com/Vacancies/

ध्रुव नोदन प्रणाली केंद्र

पद का नाम - तकनीकी सहायक (यांत्रिकी), तकनीकी सहायक (इलेक्ट्रिकल), वेल्डर, इलेक्ट्रोनिक मैकेनिक, टर्नर, मेकैनिक ऑटो इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रोनिक्स, फिटर, मशीनिस्ट, भारी वाहन चालक 'ए', लघु वाहन चालक 'ए' और रसोइया
पदों की संख्या - 30
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 10 सितम्बर 2024
वेबसाइट - http://lpsc.gov.in/

पवन हंस लिमिटेड

पद का नाम - सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन), सहायक प्रबंधक (इलेक्ट्रिकल)
पदों की संख्या - 02
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 05 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://www.pawanhans.co.in/

भारत तिब्बत सीमा पुलिस

पद का नाम - कॉन्स्टेबल- (कारपेंटर, प्लंबर, मेसन, इलेक्ट्रिशियन)
पदों की संख्या - 202
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 10 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://www.itbpolice.nic.in/

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

जंगल सत्याग्रह

मध्यप्रांत में जनजातियों के आक्रोश से शुरू हुआ जंगल सत्याग्रह

मध्यप्रदेश का जंगल सत्याग्रह स्वाधीनता संग्राम के विविध चरणों में से एक है। देश भर में जब नमक सत्याग्रह शुरू हुआ। तब जिन क्षेत्रों में समुद्र तट नहीं था वहां नमक सत्याग्रह के स्थान पर जंगल सत्याग्रह किया गया। मध्यप्रदेश देश के केन्द्र में स्थित है। प्रदेश भर में अलग-अलग स्थानों पर जंगल सत्याग्रह किया गया। जंगल सत्याग्रह में जनजातियों का प्रमुख योगदान रहा है। प्रदेश में जंगल सत्याग्रह की एक और वजह अंग्रेजों द्वारा वनभूमि पर प्रतिबंध लगाना और कानून बनाकर जनजातियों को जंगल और जमीन से बेदखल करना था। जनजातियों ने वन भूमि के अपने अधिकार के लिए सत्याग्रह किया। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा के पाठ्यक्रम में मध्यप्रदेश की जनजातियों का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान विषय शामिल है। इस विषय पर केंद्रित आलेख ''रोज़गार और निर्माण'' में प्रकाशित किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में जंगल सत्याग्रह का व्यापक क्षेत्र रहा है। वन अधिकार कानून लागू होने के बाद ही जनजातियों का असंतोष बढ़ने लगा था, यह असंतोष आक्रोश में तब्दील होकर जंगल सत्याग्रह के रूप में फूट पड़ा। जनजातियों को वन से बेदखल करके उनके जीवन की मूलभूत आवश्यकता को छीनने के साथ ही अन्य रूपों में भी प्रताड़ित किया गया। यह सत्याग्रह जंगल में आग की तरह धधक रहा था जहाँ बैतूल, सिवनी और ओरछा में बड़े स्तर पर जंगल सत्याग्रह हुआ तो इससे प्रेरित होकर अन्य स्थानों पर सत्याग्रह हुए। कुल मिलाकर प्रदेश में वर्ष 1930 से 1939 तक निरंतर जंगल सत्याग्रह हुआ।

तत्कालीन सेंट्रल प्रोविंसेस में राजनांदगांव, खैरागढ़, कवर्धा, धुर्इखदान, झौर-छुरिया आदि रियासतों में लोग बेगार-प्रथा से परेशान थे। इसका प्रमाण है श्री गोवर्धन लाल वर्मा का बयान। श्री गोवर्धन लाल वर्मा को जंगल सत्याग्रह के दौरान छुई खदान में 1932 में राजद्रोह के अपराध में गिरफ्तार किया गया। उस समय उन्होंने अपने बयान में कहा कि हमसे बेगारी करवायी जाती है। उनके शब्दों में ''वह न सिर्फ उनका सामान ही ढोता है बल्कि निर्तबों पर लातें भी खाता चलता है।'' वर्मा जी के इस बयान का उल्लेख राजनांदगांव जिले के गजेटियर में उल्लेखित है।

सत्याग्रह के उल्लेख अनुसार बांद्राटोला के जंगल में, पॉलिटिकल डिपार्टमेंट के कहने पर छुई खदान की पुलिस ने गोलियां चलाई थीं। इसके कारण बांद्राटोला के जंगल सत्याग्रही श्री रामधीन नाथ शहीद हो गए। इस सत्याग्रह का विद्या प्रसाद जी यादव और विश्वेश्वर प्रसाद जी यादव ने भी नेतृत्व किया था। वर्ष 1939 में जहया के लोटनसिंह जंगल सत्याग्रह में इतने सक्रिय थे कि उन्होंने रियासत की पुलिस को लम्बे समय तक छकाया।

वर्ष 1930 में छिंदवाड़ा में बड़े पैमाने पर जंगल सत्याग्रह हुआ। जिले के रामाकोना और खुटामा नामक स्थान पर बड़ी संख्या में लोगों ने जंगल सत्याग्रह में भाग लिया। इसमें प्रमुख रूप से बी.डी. सावलेकर, भगवान प्रसाद शुक्ल, हरफेर कागसे, अब्दुल मजीद खां, आत्मानंद छाटोद, श्रीकृष्ण रेखड़े, गणपत बेलदार, गोविंद माधव, गंगाराम कंटे, चंदूजी अप्पा, तुलीराम तेली, नीलकंठ राव गुंडे, बलीराम गाडगिल आदि शामिल थे। लोगों के इस साझे नेतृत्व से बड़ा बदलाव देखने को मिला जिसकी देशभर में चर्चा हुई। छिंदवाड़ा जंगल सत्याग्रह इतना प्रभावी था कि महात्मा गांधी वर्ष 1933 में छिंदवाड़ा आये थे। उन्होंने जंगल सत्याग्रह में भाग लेने वाले जनजातीय कार्यकर्ताओं से मुलाकात की थी।

जब देश भर में नमक सत्याग्रह चल रहा था तब 8 अप्रैल 1930 को जबलपुर, सिहोरा और कटनी में भी नमक सत्याग्रह हुआ। इसके साथ होने वाला जंगल सत्याग्रह अधिक प्रभावी रहा। कटनी और सिहोरा के सत्याग्रह को दबाने के लिए अंग्रेजों द्वारा विशेष पुलिस की व्यवस्था की गयी। इन पुलिस बलों ने जंगल सत्याग्रहियों पर निर्ममता से कोड़े बरसाये। पुलिस बलों को इस तरह का क्रूर व्यवहार करने का अधिकार दिया गया था। सिहोरा में जंगल सत्याग्रह का नेतृत्व काशी प्रसाद पांडे ने किया जो बाद में काका पांडे के नाम से विख्यात हुए। अंग्रेज गवर्नर और वायसराय ने कान्हा किसली क्षेत्र को अपने शिकार के लिए रिजर्व किया हुआ था। जंगल सत्याग्रह के दौर में बड़े पैमाने पर मंडला की जनजातियों ने जंगल सत्याग्रह में भाग लिया। उन्होंने मंडला, डिंडोरी और बिछिया में जंगल कानून तोड़ा। जगह-जगह पर सत्याग्रह का नेतृत्व किया नैनपुर के मगरू उइके ने।

दमोह जिले में होने वाले जंगल सत्याग्रह में प्रमुख भूमिका निभाई सिंघई गोकुलचंद वकील ने। इसमें बड़ी संख्या में वनवासी शामिल हुए और सत्याग्रह में होने वाली गिरफ्तारियां भी बड़ी संख्या में थीं। सागर जिले के जंगल सत्याग्रह को देखें तो राहतगढ़, रमना, खुर्इ आदि स्थानों पर हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। जंगल कानून तोड़ा और गिरफ्तारियां दीं। इस सत्याग्रह में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। अंग्रेजों ने दमन से सत्याग्रह को रोका। भाई अब्दुल गनी को भड़काऊ भाषण देने के लिए एक वर्ष का कारावास हुआ। रामकृष्ण पांडे और स्वामी कृष्णानंद, मास्टर बलदेव प्रसाद आदि को भी एक-एक वर्ष का कारावास भोगना पड़ा।

नरसिंहपुर में जंगल सत्याग्रह इतना प्रभावी था कि एक सप्ताह तक चला। अंग्रेजी शासन ने सत्याग्रह रोकने के लिए दमन चक्र चलाया। नीतिराज सिंह चौधरी, गोविंद प्रसाद नामदेव, पूरनमल नामदेव, मंगलचंद जैन आदि को बंदी बनाया गया और सजाएं हुईं।

रीवा रियासत में जंगल कानून के विरोध में जंगल सत्याग्रह हुआ। यहां राजेन्द्र बहादुर सिंह के नेतृत्व में 21 लोगों ने बरोधा जाकर जंगल कटाई करके कानून तोड़ा। बड़ी संख्या में गिरफ्तारियां हुईं। इस सत्याग्रह का प्रभाव पास ही की नागोद रियासत पर भी पड़ा।

नर्मदापुरम और हरदा में लोग जंगल कानून से परेशान थे। इससे जनजातियों की दैनिक दिनचर्या बाधित हो गई थी। नर्मदापुरम में हर्राकोट के राजा ठाकुर भभूतसिंह की जंगल जब्ती को लोग भूल नहीं पाए थे। अत: नर्मदापुरम और हरदा में वर्ष 1930-31 में जंगल सत्याग्रह हुआ। इसमें सक्रिय लोगों में लाल अर्जुन सिंह, शंभूदयाल मिश्र, सीताचरण दीक्षित, चतुर गोपाल मिश्र, ठाकुर गुलजार सिंह, दादा भाई नायक, महेश दत्त मिश्र और सैयद अहमद को गिरफ्तार किया गया। हरदा में तो जंगल सत्याग्रह के लिए बालक मंडल भी बनाया गया।

इसी तरह खंडवा के डोगरगांव में श्री आगरकर और पंडित बाबूलाल तिवारी के नेतृत्व में जंगल सत्याग्रह हुआ। शहडोल के जंगल सत्याग्रह ने स्वतंत्रता संग्राम को बल दिया। लोग खुलकर आज़ादी के आंदोलन के लिए आगे आने लगे। लोगों का आत्मविश्वास कई गुना बढ़ गया था। इसका प्रमाण है, 1921 में बनी बुढ़ार सेवा समिति, पहले लोग इस समिति में छुप-छुप कर काम करते थे। जंगल सत्याग्रह और वर्ष 1930 के बाद उनका साहस बढ़ा और वे खुलकर काम करने लगे। यहाँ होने वाली सभाओं में हजारों की संख्या में लोग एकत्रित हो जाते थे। सत्याग्रह के परिणाम का एक ओर उदाहरण है पं. सुंदरलाल द्वारा लिखित पुस्तक को पढ़ा जाना। पं. सुंदरलाल द्वारा लिखी गयी किताब ''भारत में अंग्रेजी राज'' प्रतिबंधित थी। लोग इसे पढ़ नहीं सकते थे। इस पुस्तक में भारत में अंग्रेजी राज की विस्तार में जानकारी है, अंग्रेजों का भारत में विस्तार कैसे हुआ? इसके अलावा उनके उद्देश्य और दमन नीति को भी लिखा गया है। जिसे पढ़कर रोंगटे खड़े हो जाते है। इसीलिए इसे प्रतिबंधित किया गया था ताकि लोग स्वतंत्रता संग्राम के लिए प्रेरित न हो सके। जंगल सत्याग्रह के बाद लोगों ने अंग्रेजों के प्रतिबंध को तोड़ दिया। लोग खुलेआम पुस्तक को पढ़ने लगे, इससे वास्तविक स्थिति आम लोगों तक पहुँची और स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाली पीढ़ी का निर्माण हुआ।

कुल मिलाकर प्रांत के विभिन्न स्थानों पर कहीं प्रखर तो कहीं सामान्य स्वरूप में जंगल सत्याग्रह हुआ। जंगल सत्याग्रह की इसी पृष्ठभूमि ने गांव-गांव में आगे के स्वतंत्रता आंदोलनों की पृष्ठभूमि भी निर्मित की और गति भी दी।

- शशांक मणि पांडे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं।)

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1498

कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर भोपाल

ईमेल - mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in
फोन : 0755-2553402, फैक्स : 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक - 581/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग भोपाल, दिनांक : 28.08.2024

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर दिनांक 17.09.2024 को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2024_WRD_359475	सगड़ मध्यम परियोजना के 12 नग रेडियल गेट्स एवं 04 नग स्लूस गेट्स का अनुरक्षण का कार्य।	भोपाल	3.82
2.	2024_WRD_359483	कलियासोत वेस्ट वियर के 13 नग रेडियल गेट्स एवं 04 नग हेड स्लूस गेट्स का सुधार व मरम्मत का कार्य।	भोपाल	2.23
3.	2024_WRD_359486	कोलार वृहद् परियोजना के 08 नग रेडियल गेट्स एवं 04 नग स्लूस गेट्स का अनुरक्षण का कार्य।	भोपाल	2.07
4.	2024_WRD_359490	धोघरा बांध, फंकी टैंक एवं आमलापानी टैंक के स्लूस गेट्स सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	4.63
5.	2024_WRD_360505	दिलावरमोहगांव जलाशय एवं रामपुरीदावाझिर जलाशय योजना के वेस्ट वियर का मरम्मत कार्य।	छिंदवाड़ा	7.72
6.	2024_WRD_361396	तवा बांयी तट मुख्य नहर की कोटल्याखेड़ी की व्ही.आर.बी. के हेड रेग्युलेटर पर ब्रेस्ट वॉल और पेरापेट वॉल भीलगांव उपनहर के मिट्टी हटाने का एवं रेनकोट वाल रिपेयर का निर्माण कार्य।	हरदा	15.04
7.	2024_WRD_361399	तवा बांयी तट मुख्य नहर की 9 आर, 3 आर, ए माइनर का मरम्मत कार्य छुरीखाल से पहतगांव एवं सोनतलाई उपनहर की गाद सफाई का कार्य।	हरदा	4.22
8.	2024_WRD_362309	कनहरगांव जलाशय के स्लूस गेट के मरम्मत कार्य।	छिंदवाड़ा	17.92
9.	2024_WRD_364251	कवाधाट तालाब का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	निवाड़ी	7.81
10.	2024_WRD_364280	दुमदमा तालाब की पोषक नहर के वार्षिक रखरखाव एवं मरम्मत का कार्य।	निवाड़ी	3.31
11.	2024_WRD_364378	राज्य जल आंकड़ा केन्द्र, संचालक, जल मौसम विज्ञान एवं भू-जल सर्वेक्षण मण्डल, भोपाल कार्यालयों हेतु मैनपॉवर एवं सामग्री का प्रदाय का कार्य।	भोपाल	15.83
12.	2024_WRD_364383	उप संचालक, जल मौसम विज्ञान संभाग क्र.01, भोपाल में हाउसकीपिंग का कार्य।	भोपाल	2.29
13.	2024_WRD_364397	अटल सागर (मड़ीखेड़ा बांध) पर मिट्टी बांध के डाउन स्ट्रीम स्लोप का संरक्षण एवं बांध गेज स्थल पर रेलिंग की फिक्सिंग और सीढ़ी का मरम्मत कार्य।	शिवपुरी	10.31
14.	2024_WRD_364898	सम्राट अशोक सागर संभाग क्र.2, विदिशा के 53 नं. बैराज/बैराज कम काजवे के गेट बंद एवं खोलने का कार्य।	विदिशा	14.63
15.	2024_WRD_365223	आंवलिया मध्यम सिंचाई परियोजना के दुरस्थ पांइट पर 20 मीटर ऊंचाई के हाई मास्ट स्थापना पना का कार्य।	धार	10.30
16.	2024_WRD_365403	सामरघा उपनहर के तवा बांयी तट मुख्य नहर, उपनहर, माइनर नहरों के क्रॉस रेग्यूलेटर/हेड रेग्यूलेटर की सुरक्षा मिट्टी खुदाई सी.सी. लाइनिंग का मरम्मत कार्य।	हरदा	15.25
17.	2024_WRD_365489	खैराई स्टाप डेम का वार्षिक मरम्मत कार्य।	अशोकनगर	2.81
			कुल योग	140.19

जी-15570/50003/2024 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश
कार्यालय आयुक्त, चतुर्थ तल, सतपुड़ा भवन

भोपाल-462004, (+91) 755-2576751, ctemp.bpl@mp.gov.in
dte2.rajpatrit@mp.gov.in

विज्ञापन

इंजीनियरिंग/नॉन-इंजीनियरिंग/साइंस/मानविकी पाठ्यक्रमों में अतिथि व्याख्याताओं हेतु अतिरिक्त चरण

मध्यप्रदेश शासन के अधीनस्थ प्रदेश के स्वशासी इंजीनियरिंग महाविद्यालय रीवा, उज्जैन, नौगांव, जबलपुर तथा सागर एवं विभिन्न शासकीय/स्वशासी/महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों में संचालित इंजीनियरिंग/नॉन-इंजीनियरिंग/साइंस/मानविकी पाठ्यक्रमों में अतिथि व्याख्याताओं से आवेदन आमंत्रण किये जाने हेतु प्रक्रिया दिनांक 30 अगस्त, 2024 से पुनः प्रारंभ की जा रही है।

विस्तृत समय सारणी एवं अन्य आवश्यक जानकारी/परिपत्र/आदेश/निर्देश संचालनालय, तकनीकी शिक्षा की वेबसाइट www.mptechedu.org पर उपलब्ध है।

म.प्र. माध्यम/116141/2024 R-49997/2024 संयुक्त संचालक

प्रधानमंत्री जन-धन योजना

रुपे कार्ड से यूपीआई तक : जन-धन योजना की सफलता के 10 साल

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल की शुरुआत में एक अहम निर्णय लिया था, जो आज गरीबों के आर्थिक उत्थान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है। प्रधानमंत्री का मानना था कि देश के हर नागरिक, विशेषकर गरीब और वंचित तबकों तक वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की आसान पहुंच हो। इस उद्देश्य को साकार करने के लिए उन्होंने 28 अगस्त 2014 को प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) की शुरुआत की। प्रधानमंत्री जन-धन योजना का लक्ष्य था कि देश के हर व्यक्ति के पास बैंक खाता हो, जिससे वह आर्थिक मुख्यधारा से जुड़ सके। वह ऋण, बीमा और पेंशन जैसी सेवाओं को सीधे लोगों तक पहुंचाने का अभिनव प्रयास था। हाल ही में इस योजना के दस वर्ष पूरे हो चुके हैं। योजना के तहत अब तक 53 करोड़ से अधिक जन-धन खाते खोले जा चुके हैं। जन-धन योजना की सबसे बड़ी सफलता यह रही कि इसने देश के गरीबों और वंचितों को वित्तीय रूप से सशक्त किया। जिन लोगों के पास पहले बैंक खाता नहीं था, वे अब न केवल बैंकिंग सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं, बल्कि डिजिटलीकरण के इस युग में डिजिटल पेमेंट, ऑनलाइन बैंकिंग जैसी आधुनिक सुविधाओं से भी परिचित हो गए हैं। यह योजना सिर्फ बैंक खाते तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने सामाजिक और आर्थिक समावेशन की दिशा में भी बड़ा योगदान दिया है।

इस योजना ने वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना दुनिया का सबसे बड़ा वित्तीय समावेशन कार्यक्रम बन गया है, जिसने करोड़ों लोगों को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना का उद्देश्य देश के हर नागरिक को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ना था। इस योजना के तहत बैंक खाते खोलने की प्रक्रिया को सरल और सहज बनाया गया, जिससे बिना किसी भेदभाव के सभी नागरिकों को बैंकिंग सेवाओं का लाभ मिल सके। वित्त मंत्रालय ने इस योजना को सफल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास किए गए। इस योजना के तहत खोले गए खातों में न केवल बचत करने की सुविधा दी गई, बल्कि उन्हें दुर्घटना बीमा और ओवरड्राफ्ट जैसी सुविधाएं भी प्रदान की गईं।

आर्थिक समावेशन के नए मानदंड स्थापित

पीएमजेडीवाई ने न केवल लोगों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा, बल्कि उन्हें वित्तीय साक्षरता भी प्रदान की। इसके तहत लोगों को यह समझाया गया कि कैसे वे अपने पैसे को सुरक्षित रख सकते हैं, उसे कैसे बढ़ा सकते हैं और किस तरह से सही समय पर सही निर्णय लेकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुधार सकते हैं। अब, जब यह योजना अपने दस वर्ष पूरे कर चुकी है, तो यह कहना गलत नहीं होगा कि पीएमजेडीवाई ने भारत में आर्थिक समावेशन के नए मानदंड स्थापित किए हैं। इस योजना ने उन करोड़ों लोगों के जीवन में सुधार किया है, जो पहले बैंकिंग सुविधाओं से वंचित थे। प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने वास्तव में भारत के आर्थिक परिदृश्य को बदल दिया है। यह योजना न केवल आर्थिक समावेशन का प्रतीक है, बल्कि यह एक नई आर्थिक क्रांति की दिशा में बढ़ते भारत का भी प्रतीक है। यह योजना हमें याद दिलाती है कि जब सरकार और नागरिक मिलकर काम करते हैं, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। प्रधानमंत्री जन-धन योजना के दस वर्षों की सफलता इस बात का प्रमाण है कि अगर इरादे मजबूत हों और नीतियां सही दिशा में हों, तो बड़े से बड़े लक्ष्यों को भी हासिल किया जा सकता है।

अब तक खोले गए 53 करोड़ से अधिक जन-धन खाते

प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) ने भारत में वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में एक क्रांति ला दी है। इस योजना के तहत अब तक 53 करोड़ से अधिक जन-धन खाते खोले जा चुके हैं, जिससे इन खाताधारकों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली का हिस्सा बनने का अवसर मिला है। यह उपलब्धि न केवल एक संख्या का प्रतीक है, बल्कि यह उस विश्वास और उम्मीद का प्रतीक भी है, जो जनता ने इस योजना में दिखाया है। इन जन-धन खातों में 2.31 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा हो चुकी है। यह राशि न केवल खाताधारकों की आर्थिक सुरक्षा को दर्शाती है, बल्कि यह भी प्रमाणित करती है कि देश के हर कोने में आर्थिक गतिविधियों का प्रसार हो रहा है। योजना के अंतर्गत 36 करोड़ से अधिक रुपे कार्ड जारी किए गए हैं। ये कार्ड केवल एक साधारण बैंकिंग कार्ड नहीं हैं, बल्कि ये दो लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर भी प्रदान करते हैं। इसका मतलब यह है कि न केवल लोगों को बैंकिंग की सुविधा मिल रही है, बल्कि उन्हें सुरक्षा और स्थिरता का भी आश्वासन मिल रहा है। एक महत्वपूर्ण बात यह है कि जन-धन खाते खोलने के लिए किसी भी प्रकार का रखरखाव शुल्क नहीं लिया जाता है। यह योजना उन लोगों के लिए है, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और जो बैंकिंग सुविधाओं से वंचित थे। इसके अलावा, इन खातों के लिए न्यूनतम शेष राशि बनाए रखने की भी कोई जरूरत नहीं है, जो इसे और भी सुलभ बनाता है।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बढ़ी बैंकिंग सुविधाओं की पहुंच

इस योजना के परिणामस्वरूप, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं की पहुंच बढ़ी है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। पीएमजेडीवाई ने लोगों को बचत की आदत डालने के साथ-साथ उन्हें एक सुरक्षित और संरक्षित आर्थिक भविष्य की ओर भी प्रेरित किया है। यह योजना सिर्फ एक सरकारी पहल नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक आंदोलन है, जिसने भारत के लाखों लोगों के जीवन को बदल दिया है। योजना की सफलता हमें याद दिलाती है कि एक सशक्त और समावेशी अर्थव्यवस्था का निर्माण तभी संभव है, जब हर नागरिक को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का अवसर मिले।

डिजिटल क्रांति को दी नई ऊंचाई

प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने न केवल आर्थिक समावेशन की दिशा में एक मील का पत्थर स्थापित किया है, बल्कि इसने भारत में डिजिटल क्रांति को भी एक नई ऊंचाई तक पहुंचाया है। इस योजना के तहत जारी किए गए 36 करोड़ से अधिक रुपे डेबिट कार्ड, और 89.67 लाख पीओएस या एमपीओएस मशीनों की स्थापना के साथ-साथ यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) जैसी मोबाइल आधारित भुगतान प्रणालियों की शुरुआत ने देश में डिजिटल लेनदेन का परिदृश्य पूरी तरह से बदल दिया है। वित्त वर्ष 2018-19 में जहां डिजिटल लेनदेन की कुल संख्या 2,338 करोड़ थी, वहीं वित्त वर्ष 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 16,443 करोड़ हो गई। यह वृद्धि केवल संख्यात्मक नहीं है, बल्कि यह भारतीय समाज में तकनीकी स्वीकार्यता और डिजिटल जागरूकता का प्रतीक है। यूपीआई, ने भारतीय वित्तीय प्रणाली में क्रांति ला दी है। इसने वित्तीय लेनदेन की संख्या को अप्रत्याशित रूप से बढ़ाया है। वित्त वर्ष 2018-19 में जहां यूपीआई के माध्यम से केवल 535 करोड़ लेनदेन हुए थे, वहीं वित्त वर्ष 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 13,113 करोड़ हो गई। यह वृद्धि दर्शाती है कि कैसे यूपीआई ने भुगतान प्रक्रिया को न केवल सरल और सुलभ बनाया, बल्कि इसे रोजमर्रा की जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बना दिया है। रुपे कार्ड का उपयोग भी तेजी से बढ़ा है।

प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने न केवल बैंकों के दरवाजे आम जनता के लिए खोले, बल्कि उन्हें डिजिटल लेनदेन की दुनिया में प्रवेश करने का भी अवसर दिया। यह योजना लोगों को बैंकिंग सुविधाओं के साथ-साथ डिजिटल भुगतान प्रणालियों से भी जोड़ने में सफल रही है, जिससे न केवल उनकी आर्थिक सुरक्षा बढ़ी है, बल्कि वे डिजिटल युग में भी कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं। यह परिवर्तन भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पीएमजेडीवाई ने न केवल वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया, बल्कि देश को डिजिटल क्रांति की राह पर भी अग्रसर किया है। इस योजना ने साबित किया है कि सही नीतियों और प्रौद्योगिकी के समावेश से एक विविध देश में भी डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देना संभव है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत हासिल की गई ये उपलब्धियां इस बात का प्रमाण हैं कि अगर सही दिशा में प्रयास किए जाएं, तो बड़े से बड़े आर्थिक और सामाजिक बदलाव संभव हैं।

- निशा त्यागी
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं और सम-सामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं)

जय शाह चुने गए आईसीसी के अध्यक्ष

दुबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का नया अध्यक्ष चुना गया है। 35 वर्षीय जय शाह को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है। वह आईसीसी के सबसे युवा अध्यक्ष होंगे। जय शाह वर्तमान अध्यक्ष ग्रेग बार्कले की जगह लेंगे और एक दिसम्बर 2024 से पदभार संभालेंगे।

आईसीसी के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन करने की अंतिम तिथि 27 अगस्त थी। इस पद के लिए जय शाह के अलावा किसी ने भी आवेदन नहीं किया था, इसलिए जय शाह को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। विश्व क्रिकेट के सबसे अमीर बोर्ड के सचिव होने के कारण जय शाह का आईसीसी अध्यक्ष बनना तभी तय हो गया था, जब उन्होंने अपना नामांकन किया था। आईसीसी के राजस्व में बीसीसीआई 75 प्रतिशत से ज्यादा योगदान देता है।

सचिव के तौर पर उपलब्धियों भरा रहा कार्यकाल

बीसीसीआई के सचिव के तौर पर जय शाह का कार्यकाल उपलब्धियों भरा रहा है। अपने कार्यकाल के दौरान जय शाह ने बीसीसीआई में कई नए प्रयोग किए जो सफल रहे। उनके कार्यकाल में महिला प्रीमियर लीग की शुरुआत हुई और लगातार दो सत्र सफलतापूर्वक आयोजित हुए। उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को पुरुष टीम के बराबर मैच फीस देकर समानता को सुनिश्चित किया। इसके अलावा उन्होंने घरेलू स्तर पर महिला और जूनियर टूर्नामेंट में प्लेयर ऑफ द मैच तथा प्लेयर ऑफ द सीरीज के लिए पुरस्कार राशि शुरू की।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त प्रशासकों की समिति के जाने के बाद बीसीसीआई का सचिव पद संभालने वाले जय शाह का पांच वर्ष का कार्यकाल वर्ष 2020 और 2021 में बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। कोरोना महामारी के दौरान बायो बबल का निर्माण करना हो या बायो बबल के भीतर कोविड मामलों को संभालना तथा इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट का आयोजन कराया।

आईसीसी के अध्यक्ष के तौर पर नामित होने से अभिभूत हूं। मैं प्रतिभा खोज के लिए एक अलग कार्यक्रम स्थापित करने की दिशा में काम करना चाहूंगा। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि क्रिकेटर को लंबे प्रारूप (टेस्ट) की ओर आकर्षित किया जाए।

- जय शाह

- **जय शाह आईसीसी अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने वाले पांचवें भारतीय हैं।**
- **जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन. श्रीनिवासन और शशांक मनोहर भी आईसीसी अध्यक्ष रह चुके हैं।**
- **जय शाह वर्ष 2019 से बीसीसीआई के सचिव पद पर कार्यरत हैं।**
- **वह आईसीसी की वित्त एवं वाणिज्यिक मामलों की समिति के प्रमुख भी हैं।**
- **जय शाह वर्ष 2021 से एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष भी हैं।**

खेल चर्चा

डुप्लांटिस ने इस वर्ष तीसरी बार बनाया विश्व रिकॉर्ड

सिलेसिया, स्वीडन के ओलंपिक चैम्पियन खिलाड़ी अर्मांड डुप्लांटिस ने पोलैंड में आयोजित सिलेसिया डायमंड लीग में पोल वॉल्ट खेल में एक बार फिर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। डुप्लांटिस ने स्पर्धा में 6.26 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले डुप्लांटिस ने पेरिस ओलंपिक में 6.25 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता था। डुप्लांटिस ने इस वर्ष तीसरी बार पोल वॉल्ट में विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

लेंडो नॉरिस ने जीती डच ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस

जेंडवूर्ट, ब्रिटेन के कार रेसर लेंडो नॉरिस ने डच ग्रां प्री फॉर्मूला-वन रेस जीत ली है। नॉरिस ने 72 लैप की इस रेस को एक घंटा 30 मिनट 45.519 सेकंड में पूरा किया। नॉरिस ने रेस में पोल पोजिशन के साथ शुरुआत की और पहले स्थान पर रहे। तीन बार के विश्व चैम्पियन मैक्स वर्स्टापेन ने नॉरिस को कड़ी टक्कर दी, लेकिन वे दूसरे स्थान पर रहे। रेस में चार्ल्स लेक्लर्क तीसरे, ऑस्कर पिएस्त्री चौथे तथा कार्लोस सैंज पांचवें स्थान पर रहे। यह लेंडो नॉरिस के कैरियर की दूसरी जीत है।

एथलीट भावना जाट पर लगा 16 महीने का प्रतिबंध

नई दिल्ली, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अनुशानात्मक पैनल ने देश की शीर्ष पैदल चाल एथलीट भावना जाट पर पिछले वर्ष अगस्त में ठिकाने की जानकारी नहीं देने पर 16 महीने का प्रतिबंध लगाया है। नाडा ने बताया कि महिलाओं की 20 किलोमीटर पैदल चाल स्पर्धा की पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भावना वर्ष 2023 में दो बार डोप टेस्ट देने से चूक गई थीं, उन्होंने अपने ठिकाने की जानकारी नहीं दी थी इसलिए उन्हें अगस्त 2023 को अस्थायी तौर पर निलंबित किया गया था।

अंडर-17 विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में भारत ने जीते पांच स्वर्ण पदक

अम्मान, भारत की युवा खिलाड़ियों ने अंडर-17 विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में इतिहास रच दिया है। प्रतियोगिता में भारत की पांच महिला पहलवानों ने स्वर्ण पदक जीते। प्रतियोगिता में पहलवान अदिति कुमारी, नेहा सांगवान, पुलकित, मानसी लाठेर और काजल ने स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इस प्रतियोगिता में भारत का यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

भारत का पहला स्वर्ण पदक अदिति कुमारी ने 43 किलोग्राम भारवर्ग में जीता। अदिति ने यूनान की मारिया लौइजा गिकिका को खिताबी मुकाबले में 7-0 से हराया। इसके बाद महिलाओं की 57 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में नेहा सांगवान जापान की सो सुतसुई को एकतरफा अंदाज में 10-0 से हराकर चैम्पियन बनीं। एक अन्य मुकाबले में पुलकित ने 65 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में तटस्थ एथलीट डारिया फ्रोलोवा पर 6-3 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया वहीं मानसी लाठेर ने 73 किलोग्राम भारवर्ग में हाना प्रिसकाया को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। भारत को पांचवां स्वर्ण पदक काजल ने दिलाया। काजल ने महिलाओं की 69 किलोग्राम भारवर्ग में यूक्रेन की ओलेक्जेंद्रा को 9-2 से पटखनी देकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में भारत की श्रुतिका पाटिल ने 46 किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक जीता।

तन्वी पत्री ने जीता एशियाई अंडर-15 का खिताब

चेंगदू, भारत की नवोदित बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पत्री ने चीन के चेंगदू में आयोजित बैडमिंटन एशिया अंडर-17 एवं अंडर-15 जूनियर चैम्पियनशिप में अंडर-15 वर्ग में लड़कियों का एकल खिताब जीता है। स्पर्धा के फाइनल में तन्वी ने वियतनाम की थि थू हुएन गुएन को 22-20, 21-11 से हराया। टूर्नामेंट में भारत के ज्ञान दत्तू टीटी ने लड़कों के अंडर-17 एकल वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया।

नोस्कोवा ने जीता पहला डब्ल्यूटीए टूर खिताब

मॉन्टेरी, चेक गणराज्य की महिला टेनिस खिलाड़ी लिंडा नोस्कोवा ने मॉन्टेरी ओपन का खिताब जीत लिया है। यह नोस्कोवा के टेनिस कैरियर का पहला डब्ल्यूटीए टूर खिताब है। टूर्नामेंट के फाइनल में नोस्कोवा ने न्यूजीलैंड की लुलु सन को 7-6 (8-6), 6-4 से हराया। पहले सेट का फैसला टाईब्रेकर में हुआ। नोस्कोवा ने 8-6 के अंतर से टाइब्रेकर जीता। दूसरे सेट को नोस्कोवा ने 6-4 से जीता।

टेबल टेनिस खिलाड़ी अर्चना कामथ ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारत की युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी अर्चना कामथ ने महज 24 वर्ष की आयु में खेल से संन्यास ले लिया है। अर्चना ने बताया कि उन्होंने यह फैसला अपनी उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए किया है। उन्होंने कहा कि मैं खुश हूं कि मैंने 15 वर्ष तक देश का प्रतिनिधित्व किया है।

सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली, भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। धवन काफी समय से भारतीय टीम से बाहर थे। उन्होंने अपना आखिरी मैच 10 दिसम्बर 2022 को बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। धवन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए संन्यास की जानकारी देते हुए कहा कि मेरे जीवन की एक ही मंजिल थी, भारत के लिए खेलना। मैं इस मुकाम को हासिल करने में सफल रहा। अब मैं अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं।

धवन ने वर्ष 2010 में विशाखापट्टनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, लेकिन खराब प्रदर्शन के कारण वह टीम में जगह कायम नहीं रख पाए और टीम से बाहर हो गए। धवन ने वर्ष 2013 में भारतीय टीम में वापसी की। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहाली टेस्ट में पदार्पण करते हुए बेहतरीन शतक बनाया। धवन ने इस पारी में 174 गेंदों में 187 रन बनाये और पदार्पण मैच में सबसे तेज शतक बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बने थे।

धवन ने भारत के लिए 34 टेस्ट मैचों में 2315 रन बनाये, इनमें 7 शतक शामिल हैं। उन्होंने 167 वन-डे मैचों में 6793 रन और 68 ट्वेंटी-20 मैचों में 1759 रन बनाये हैं। धवन ने वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 17 शतक और 39 अर्धशतक भी बनाये हैं। आईसीसी टूर्नामेंट्स में धवन का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है।

आईसीसी महिला ट्वेंटी-20 विश्वकप हरमनप्रीत को मिली टीम इंडिया की कमान

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अक्टूबर में आयोजित होने वाले आईसीसी महिला ट्वेंटी-20 विश्वकप के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर इस विश्वकप में भी भारतीय टीम की कमान संभालेंगी, वहीं ओपनिंग बल्लेबाज स्मृति मंधाना टीम की उपकप्तान होंगी।

भारतीय टीम में ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल और यास्तिका भाटिया को भी जगह दी गई है, लेकिन इन दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धता इनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी। श्रेयंका को श्रीलंका में एशिया कप के दौरान चोट लगी थी, वहीं यास्तिका भी चोट के कारण टीम से बाहर थीं।

आईसीसी महिला ट्वेंटी-20 विश्वकप का आयोजन 3 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक किया जाएगा। इस विश्वकप की आधिकारिक मेजबानी बांग्लादेश कर रहा है, लेकिन देश में अस्थिर राजनीतिक परिदृश्य और हिंसक विरोध प्रदर्शन के कारण इस विश्वकप को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थानांतरित किया गया है। इस विश्वकप के मैच दुबई और शारजाह में खेले जायेंगे।

- **ऑस्ट्रेलिया ने 6 बार तथा इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने एक-एक बार जीता है खिताब।**
- **भारतीय महिला क्रिकेट टीम वर्ष 2020 में आयोजित विश्वकप में बनी थी उपविजेता।**

पहला मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा

महिला ट्वेंटी-20 विश्वकप में भारतीय टीम अपना पहला मैच न्यूजीलैंड से खेलेगी। यह मैच 4 अक्टूबर को खेला जाएगा। इसके बाद भारत को 6 अक्टूबर को पाकिस्तान से, 9 अक्टूबर को श्रीलंका से और 13 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से मैच खेलने हैं।

भारतीय महिला टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमाह रोड्रिग्ज, ऋचा घोष, यास्तिका भाटिया, पूजा वस्त्राकार, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल और संजना सजीवना।

सिएट क्रिकेट अवॉर्ड रोहित बने सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

मुंबई, भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को मुंबई में आयोजित सिएट क्रिकेट रेटिंग अवॉर्ड्स समारोह में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय पुरुष क्रिकेटर चुना गया है। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने इस वर्ष आईसीसी पुरुष ट्वेंटी-20 विश्वकप का खिताब जीता था।

समारोह में भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली को सर्वश्रेष्ठ वन-डे बल्लेबाज चुना गया वहीं मोहम्मद शमी को सर्वश्रेष्ठ वन-डे गेंदबाज चुना गया। यशस्वी जायसवाल को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाज, जबकि रविचंद्रन अश्विन को सर्वश्रेष्ठ टेस्ट गेंदबाज का पुरस्कार मिला। समारोह में युवा क्रिकेटर आर साई किशोर को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ घरेलू क्रिकेटर के खिताब से नवाजा गया। वहीं न्यूजीलैंड के टिम साउदी को सर्वश्रेष्ठ ट्वेंटी-20 गेंदबाज और इंग्लैंड के फिल सॉल्ट को सर्वश्रेष्ठ ट्वेंटी-20 बल्लेबाज चुना गया।

- **स्मृति मंधाना को सर्वश्रेष्ठ महिला बल्लेबाज और दीप्ति शर्मा को सर्वश्रेष्ठ महिला गेंदबाज चुना गया।**
- **राहुल द्रविड़ को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।**

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

अफ्रीका के बोत्सवाना में मिला 2492 कैरेट का हीरा

अफ्रीकी देश बोत्सवाना में कनाडाई खनन कंपनी को बड़ी सफलता मिली है। उसने दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा डायमंड खोज निकाला है। यह हीरा 2492 कैरेट का बताया जा रहा है। बता दें कि कंपनी

के अधिकारी इस खोज के बाद काफी खुश हैं। 119 साल पहले दुनिया का सबसे बड़ा डायमंड खोजा गया था। वह 3106 कैरेट का था। एक सदी से ज्यादा वर्षों के बाद यह सफलता मिली है।

बोत्सवाना की खदानों में लुकारा डायमंड कॉर्प ने 2,492 कैरेट का हीरा खोजा है। इसे विश्व का दूसरा सबसे बड़ा हीरा बताया जा रहा है। यह दावा खनन कंपनी ने खुद किया है। लुकारा डायमंड कॉर्प ने एक बयान में कहा कि हीरे की खोज एक्स-रे तकनीक का उपयोग करके उत्तरपूर्वी बोत्सवाना के कारोवे डायमंड खदान में की गई।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जलगांव में हुए लखपति दीदी सम्मेलन को किया संबोधित

लखपति दीदी अभियान ने नई पीढ़ियों को सशक्त किया और गांव के अर्थतंत्र को बदल दिया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के जलगांव में लखपति दीदी सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने 5 हजार करोड़ रुपये के बैंक ऋण वितरित किए, जिससे 2.35 लाख स्व-सहायता समूहों के 25.8 लाख सदस्यों को लाभ मिलेगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरे भारत में फैले लाखों महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए 6000 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि वितरित की गई। धनराशि का यह कोष कई महिलाओं को लखपति दीदी बनने के लिए प्रेरित करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र की मातृशक्ति से पूरा भारत प्रेरित है। हमारा जलगांव वारकरी परंपरा का तीर्थस्थल है। यह महान संत मुक्ताई की भूमि है, उनकी उपलब्धियां और तपस्या आज की पीढ़ी के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लखपति दीदी सम्मेलन को संबोधित करते हुए

- महाराष्ट्र के जलगांव में हुआ लखपति दीदी सम्मेलन
- 11 लाख नई लखपति दीदियों को प्रमाण पत्र दिए गए
- देशभर की लखपति दीदियों का प्रधानमंत्री से हुआ संवाद
- 4.3 लाख स्वयं सहायता समूहों को 2,500 करोड़ रुपये का रिवॉल्विंग फंड

सशक्त और मजबूत बनाना है

प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान मैंने 3 करोड़ लखपति दीदियों को बनाने की इच्छा व्यक्त की थी। पिछले 10 वर्षों के दौरान 1 करोड़ लखपति दीदियां बनाई गई, जबकि पिछले दो महीनों में ही 11 लाख नई लखपति दीदियां बनाई गई। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में भी 1 लाख लखपति दीदियां बनाई गई हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि लखपति दीदी बनाने का ये अभियान, सिर्फ बहनों-बेटियों की कमाई बढ़ाने का ही अभियान नहीं है। यह पूरे परिवार को, आने वाली पीढ़ियों को सशक्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि आय बढ़ने के साथ ही परिवार की क्रय शक्ति भी बढ़ती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब एक बहन लखपति दीदी बनती है, तो पूरे परिवार की किस्मत बदल जाती है।

महिलाओं के हित में फैसले किए

भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में महिलाओं के योगदान पर प्रधानमंत्री ने अतीत में महिलाओं के विकास के प्रति उपेक्षा की ओर संकेत दिया। उन्होंने कहा कि देश में करोड़ों महिलाओं के पास कोई संपत्ति नहीं है, जिससे छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए बैंक ऋण लेने में बड़ी बाधा आती थी। इसलिए मैंने महिलाओं पर बोझ कम करने का संकल्प लिया और एक के बाद एक महिलाओं के हित में फैसले लिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीबों के लिए घरों की रजिस्ट्री घर की महिला के नाम पर करने का फैसला किया है। अब तक बने 4 करोड़ घरों में से अधिकांश घर महिलाओं के नाम पर पंजीकृत हैं।

महिलाओं को बनाया बैंकिंग प्रणाली का हिस्सा

स्वनिधि योजना पर प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वनिधि में भी बिना गारंटी के ऋण दिए जा रहे हैं, जिसका लाभ महिलाओं तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने विश्वकर्मा परिवारों की हस्तशिल्प करने वाली कई महिलाओं को बिना गारंटी के लाभ पहुंचाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सखी मंडलियों और महिला स्वयं सहायता समूहों के महत्व को पहले मान्यता नहीं दी गई थी।

बेटियों के लिए हर सेक्टर खोल रही सरकार

प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं से संबंधित योजनाओं के लिए 3 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बेटियों के लिए हर सेक्टर खोल रही है जहां कभी उन पर पाबंदियां थी। उन्होंने लड़ाकू पायलटों सहित तीनों सशस्त्र बलों में महिला अधिकारियों, सैनिक स्कूलों और अकादमियों में प्रवेश और पुलिस बल और अर्धसैनिक बलों में महिलाओं की बढ़ती संख्या का उदाहरण दिया।

रूस-यूक्रेन संघर्ष

यूक्रेन ने किया F-16 विमान का प्रयोग

हवाई हमले को लेकर यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेनी सेना द्वारा F-16 का प्रयोग किया गया है। उन्होंने कहा कि रूस द्वारा दागे गए ड्रोन और मिसाइलों को मार गिराने के लिए पश्चिमी देशों द्वारा आपूर्ति किए गए लड़ाकू विमानों को तैनात किया गया है। ज्ञात रहे कि जेलेंस्की ने अगस्त की शुरुआत में ही इस बात की घोषणा कर दी थी कि पश्चिमी देशों द्वारा दिए गए लड़ाकू विमानों की खेप मिल चुकी है। जिसका प्रयोग यूक्रेन ने रूस में हुए हवाई हमले के रूप में किया है।

यूक्रेन की राजधानी कीव में जेलेंस्की ने मीडिया से बात करते हुए जानकारी दी कि रूस के हवाई हमले को लेकर F-16 विमानों का प्रयोग किया गया है। इससे ड्रोन और मिसाइल भी नष्ट की गई है। हालांकि यूक्रेन का मानना है कि उन्हें अभी और भी जेट विमानों की जरूरत है। मई में न्यूज एजेंसी एएफपी ने बताया था कि कीव को रूस की बराबरी के लिए कम से कम 120 विमानों की जरूरत है।

जानकारी के अनुसार इस महीने की शुरुआत में ही जेलेंस्की ने ऐलान किया था कि यूक्रेनी पायलटों ने देश के भीतर F-16 लड़ाकू जेट विमान का संचालन शुरू कर दिया है। जेलेंस्की ने कहा था इस लड़ाकू विमान से रूस के खिलाफ युद्ध में बड़ी मदद मिलने वाली है। इसको लेकर जेलेंस्की ने अपने पायलटों का भी हौसला बढ़ाया।

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स संभवत: लौटेंगी अगले वर्ष

बोइंग स्टारलाइनर के जरिए अंतरिक्ष में जाने वाली सुनीता विलियम्स इस साल धरती पर वापसी नहीं कर पाएंगी। नासा ने इस बात की पुष्टि की है कि वह अगले साल ही धरती पर लौटेंगी।

- नासा ने सुनीता विलियम्स की वापसी पर बड़ा फैसला लिया है।
- सुनीता विलियम्स की वापसी अब स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन से होगी।
- नासा का मानना है कि स्टारलाइनर से लौटना खतरनाक हो सकता है।

नासा ने अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की वापसी को लेकर बड़ा फैसला किया है। सुनीता विलियम्स की वापसी अब अगले साल

होगी। वहीं बोइंग कंपनी के लिए भी एक बड़ा झटका है, क्योंकि इनकी वापसी अब बोइंग स्टारलाइनर की जगह स्पेस एक्स के क्रू ड्रैगन के जरिए होगी। नासा का मानना है कि अगर बोइंग स्टारलाइनर के जरिए उन्हें वापस लाया गया तो यह खतरनाक हो सकता है। क्रू ड्रैगन पहले भी अंतरिक्ष यात्रियों को वापस ला चुका है। बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्षयान की टेस्ट फ्लाइट के लिए दोनों अंतरिक्ष यात्री स्पेस में गए थे। इस दौरान उन्हें आठ दिन स्पेस में रहना था, लेकिन उन्हें फंसे हुए 80 दिन हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार बोइंग स्टारलाइनर की उड़ान सफल रही और वह अंतरिक्ष में भी पहुंच गया। लेकिन उसे प्रमुख तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा। हीलियम लीक और थ्रस्टर में खराबी के कारण अंतरिक्ष यात्रियों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में लंबे समय के लिए रुकना पड़ा। नासा ने दोनों अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी के लिए एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स से मदद लेने का फैसला किया है। नियमित अंतरिक्ष यात्री रोटेशन मिशन के तहत अगले महीने स्पेसएक्स क्रू-ड्रैगन अंतरिक्ष में जाएगा। यहां छह महीने बिताने के बाद अगले साल फरवरी में लौटेगा।

इज़राइल-हमास संघर्ष

गाजा का आखिरी अस्पताल बंद हुआ

फिलिस्तीन के गाजा पट्टी इलाके में चल रहा आखिरी अस्पताल भी अब बंद हो गया है। बीते कुछ दिनों में इस अस्पताल को बंद कर दिया गया है और यहां भर्ती सारे मरीजों को बाहर भेजा जा रहा है। इसकी वजह यह है कि इज़राइल ने इलाके को खाली करने का आदेश दिया है और उसके बाद से ही लोग यह इलाका छोड़कर जा रहे हैं। इज़राइल के इस आदेश से यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वह नए सिरे से जमीनी ऑपरेशन शुरू कर सकता है। अल-अक्सा शहीदी अस्पताल सेंट्रल गाजा के मुख्य चिकित्सा केंद्रों में से एक था।

हालांकि अभी तक इज़राइली सेना ने हमला शुरू नहीं किया है, लेकिन स्थानीय

लोगों को डर है कि किसी भी वक्त अटैक हो सकता है। ऐसी स्थिति हुई तो फिर बच निकलना मुश्किल होगा। इससे पहले इज़राइल ने गाजा और खान यूनिस इलाके पर हमले किए थे, जिसमें कम से कम 19 लोग मारे गए थे। वहीं लेबनान सीमा पर अलग युद्ध चल रहा है। हिजबुल्लाह ने रॉकेट और मिसाइलों से इज़राइल पर हमला बोला तो वहीं इज़राइल ने भी लेबनान को टारगेट करके हमले किए हैं। बीते 10 महीनों से चल रही जंग में इज़राइल ने गाजा के कई अस्पतालों पर कब्जा जमा लिया है। इज़राइल का आरोप है कि इन अस्पतालों का इस्तेमाल हमास की ओर से शेल्टर के तौर पर किया जाता रहा है। कई अस्पतालों में तो इज़राइली सेना ने अचानक ही रेड मारी थी। कई जगहों से हमास के कमांडर मिले भी थे। ऐसे में उसने इस अभियान को और तेज कर दिया। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक गाजा का करीब 84 फीसदी हिस्सा जंग से प्रभावित है और इन इलाकों से पलायन हो चुका है। गाजा की करीब 90 फीसदी आबादी यानी 23 लाख लोगों को अपने घरों से पलायन करना पड़ा है।

बुर्किना फासो में

आतंकियों ने किया हमला

मध्य बुर्किना फासो के एक गांव में अल-कायदा से जुड़े आतंकवादियों ने पिछले दिनों हमला किया। आतंकियों के इस हमले में कम से कम 100 ग्रामीणों और सैनिकों की मौत हो गई है। एक विशेषज्ञ ने हमले से जुड़े वीडियो की गहन जांच के बाद यह जानकारी दी है। इस हमले को संघर्षग्रस्त बुर्किना फासो में इस वर्ष हुए सबसे घातक हमलों में से एक बताया जा रहा है। सुरक्षा थिंक टैंक 'सौफान सेंटर' के वरिष्ठ अनुसंधान 'फेलो' वसीम नस ने बताया कि राजधानी औगाडौगू से 80 किलोमीटर दूर बार्सालोघो कम्यून के ग्रामीण सुरक्षा चौकियों और गांवों की रक्षा के लिए बनाई जा रही खाइयों की खुदाई के काम में सुरक्षा बलों की मदद कर रहे थे। इस दौरान अल-कायदा से जुड़े जमात नुसरत अल-इस्लाम अल-मुस्लिमीन (जेएनआईएम) समूह के आतंकवादियों ने गांव में गोलीबारी शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार अल-कायदा ने एक बयान जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली। आतंकी संगठन ने काया शहर के बार्सालोघो में एक सैन्य चौकी पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने का दावा भी किया है। काया रणनीतिक लिहाज से अहम शहर है, जहां सुरक्षा बलों और औगाडौगू पर कब्जा करने की कोशिश जारी है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.वी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।